राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 15
अंक : 42
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
रविवार 11 जनवरी 2026
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट | पेज 3 शिकायतों के निवारण में नोएडा पुलिस पूरे प्रदेश में अव्वल | पेज 4 मेरठ से अगवा लड़की सहारनपुर में मिली | पेज 6 डब्ल्यूपीएल 2026 की धमाकेदार शुरुआत, हार में भी इतिहास रच

संक्षिप्त खबरें

10 करोड़ की एमडी ड्रग्स जब्त

आगर मालवा। आगर मालवा जिले में नर्सरी की आड़ में चल रही एमडी ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ है। नारकोटिक्स विभाग ने शनिवार तड़के आमला क्षेत्र स्थित तीर्थ नर्सरी पर छापा मारकर 31 किलो 250 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की है। जब्त ड्रग्स की कीमत घरेलू बाजार में करीब 10 करोड़ रुपए, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 50 करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई है। शनिवार सुबह करीब 4 बजे उज्जैन सहित अन्य जिलों से पहुंची नारकोटिक्स विभाग की संयुक्त टीम ने नर्सरी और फार्म हाउस की घेराबंदी की। यह नर्सरी और फार्म हाउस राजस्व रिकॉर्ड में रातड़िया परिवार के नाम दर्ज बताया गया है।

पूर्व सैनिकों की बेटियों की शादी के लिए अब मिल रही एक लाख रुपये सहायता

नई दिल्ली। पूर्व सैनिकों की बेटियों की शादी के लिए अब एक लाख रुपये सहायता मिल रही है। विवाह अनुदान के अंतर्गत वित्तीय सहायता 50 हजार रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये प्रति लाभार्थी कर दी गई है। यह अनुदान पूर्व सैनिकों की अधिकतम दो पुत्रियों को मिलेगा। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि पूर्व सैनिक कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए वित्तीय सहायता में शत प्रतिशत वृद्धि की गई है। पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को यह बढ़ी हुई सहायता केंद्रीय सैनिक बोर्ड के माध्यम से दी जा रही है।

हैप्पी मॉर्निंग

पति-पत्नी रेलवे स्टेशन पर खड़े ट्रेन का इंतजार कर रहे थे।
तभी एक गाड़ी आई जिस पर लिखा था...
बॉम्बे मेल- पति भाग कर गाड़ी में चढ़ गया।
बीवी से बोला- जब बॉम्बे फीमेल आये तो तू भी चढ़ जाना।

शायरी

औरत को समझता था जो मर्दों का खिलौना
उस शख्स को दामाद भी वैसा ही मिला है

अर्थसार

सेंसेक्स:
83,576.24
-604.72 (0.72%)
निफ्टी:
25,683.30
-193.55

मौसम

अधिकतम : 14 डिग्री से0
न्यूनतम : 04 डिग्री से0
सूयोदय सोमवार : 7 : 26
सूर्यास्त रविवार : 5 : 37

विरोध प्रदर्शन

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने कोलकाता में राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पीएसी से जुड़े प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तलाशी के खिलाफ पार्टी नेताओं, जिनमें जून मालिया और अन्य शामिल थे, के नेतृत्व में एक विरोध मार्च निकाला।

ईरान में हिंसक प्रदर्शन, 217 लोगों की मौत का दावा

सेना बोली- बच्चों को प्रदर्शन से दूर रखें वरना गोली लगने पर शिकायत मत करना

तेहरान। ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 217 लोगों के मारे जाने का दावा किया जा रहा है। टाइम मैगजीन ने तेहरान के एक डॉक्टर के हवाले से बताया कि राजधानी के सिर्फ छह अस्पतालों में कम से कम 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज की गई है, जिनमें ज्यादातर की मौत गोली लगने से हुई हैं।

सुरक्षा बलों ने गुरुवार रात प्रदर्शन तेज होने पर कई जगहों पर गोलीबारी की थी, इसके बाद से लगातार कार्रवाई

जारी है। इस बीच रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के एक अधिकारी ने सरकारी टीवी से बात करते चेतावनी दी कि माता-पिता अपने बच्चों को प्रदर्शनों से दूर रखें, अगर उन्हें गोली लगे तो शिकायत मत करना।

सरकार प्रदर्शन रोकने के लिए पूरी ताकत लगा रही

रिपोर्ट के मुताबिक, पहले कुछ दिनों तक यह साफ नहीं था कि सरकार क्या रुख अपनाएगी। खुद एंटी राइट्स पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि सुरक्षा बल भ्रम में हैं। किसी को ठीक से नहीं पता कि आगे क्या होने वाला है, लेकिन शुक्रवार को सामने आई खूनी तस्वीरों और सख्त बयानों से साफ हो गया कि अब पूरी ताकत का इस्तेमाल किया जा रहा है।

इससे पहले सरकार ने देशभर में इंटरनेट और फोन सर्विस लगभग बंद कर दी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी चेतावनी दी थी कि अगर प्रदर्शनकारियों को मारा गया तो ईरानी सरकार को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

टीएमसी कार्यकर्ताओं ने सुवेंदु अधिकारी की गाड़ी को घेरा : नारेबाजी की

भाजपा नेता ने हमला करने का आरोप लगाया, पुलिस स्टेशन में धरने पर बैठे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी की गाड़ी का घेराव किया और उनके खिलाफ नारेबाजी की। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो कि शुभेंदु अधिकारी ने ही एक्स पर शेयर किया है।

सुवेंदु अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर हमला करने का आरोप लगाया है। सुवेंदु ने कहा- मैं शनिवार रात करीब 8: 20 बजे

पुरुलिया से लौट रहा था, इस दौरान पश्चिम मेदिनीपुर जिले के चंद्रकोना रोड इलाके में टीएमसी कार्यकर्ताओं ने मुझ पर हमला किया गया।

उन्होंने हमलावरों को सत्ताधारी दल के संरक्षण में काम करने वाले लोग बताया और चंद्रकोना पुलिस स्टेशन के अंदर धरने पर बैठ गए। सुवेंदु ने कहा कि हमले के समय पुलिस मौके पर मौजूद थी, लेकिन उसने कोई कार्रवाई नहीं की।

सुवेंदु पुलिस स्टेशन के अंदर धरने पर बैठे

सुवेंदु अधिकारी ने इस घटना को सिर्फ खुद पर नहीं, बल्कि पूरे पश्चिम बंगाल में विपक्ष की आवाज पर हमला बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के शासन में हिंसा और डर का माहौल बनाया जा रहा है और राजनीतिक विरोध को दबाने की कोशिश हो रही है।

हमले के बाद सुवेंदु अधिकारी चंद्रकोना पुलिस स्टेशन के अंदर धरने पर बैठ गए।

उन्होंने मांग की है कि इस मामले में तुरंत कार्रवाई की जाए और दोषियों को गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने कहा कि जब तक जवाबदेही तय नहीं होती, तब तक वे धरना खत्म नहीं करेंगे।

ममता सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचा ईडी

सीबीआई जांच की मांग, रेड के दौरान फाइल ले जाने का आरोप; टीएमसी ने कहा- हमारा पक्ष भी सुनें

एजेंसी

नई दिल्ली/कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। बंगाल सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में केविएट दाखिल की है। सरकार की मांग है कि उसका पक्ष सुने बिना कोई आदेश पारित न किया जाए।

ईडी का आरोप है कि गुरुवार को पॉलिटिकल कंसलटेंट फर्म के ऑफिस और उनके डायरेक्टर के घर हुई तलाशी के दौरान राज्य सरकार की ओर से रुकावट डाली गई। ईडी ने मामले की सीबीआई जांच की मांग की है।

इससे पहले शुक्रवार को श्वष्ठ ने कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख किया था, लेकिन कोर्टरूम में हंगामे के कारण सुनवाई नहीं हो सकी। इसके बाद हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई 14 जनवरी के लिए टाल दी।

सीएम ने कोलकाता में पैदल मार्च भी निकाला था। इसके बाद ईडी पर दो एफआईआर भी दर्ज कराईं। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह और नेता प्रितपक्ष सुवेंदु अधिकारी के खिलाफ बयान दिए थे।

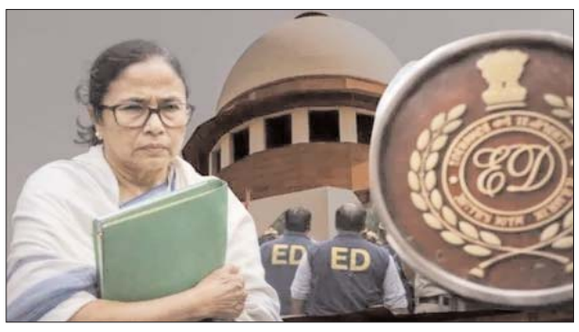

कोयला घोटाले का पैसा शाह को भेजा गया

ममता ने आरोप लगाया है कि कोयला घोटाले का पैसा सुवेंदु अधिकारी ने इस्तेमाल किया और अमित शाह को भेजा। मैं आमतौर पर प्रतिक्रिया नहीं देतीं, लेकिन अगर कोई मुझे छेड़ता है तो मैं छोड़ती नहीं हूं।

इस पर पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने बनर्जी को मानहानि का नोटिस भेजा। नोटिस में उन्होंने 72 घंटे के भीतर कथित आरोपों से जुड़े सभी सबूत पेश करने की मांग की गई।

यूपीएससी परीक्षाओं के सभी उम्मीदवारों की चेहरे से होगी पहचान

सत्यापन समय हुआ कम

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं में शामिल होने वाले सभी अभ्यर्थियों का परीक्षा केंद्रों पर चेहरा प्रमाणीकरण किया जाएगा। यानी चेहरे के जरिये उनकी पहचान सत्यापित की जाएगी। अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि इससे परीक्षा प्रक्रिया की शुचिता और अधिक मजबूत होगी।

आयोग की वेबसाइट पर जारी नोट में कहा गया, यूपीएससी परीक्षा में शामिल होने वाले सभी अभ्यर्थियों के चेहरे का परीक्षा केंद्र पर प्रमाणीकरण किया जाएगा। यूपीएससी सरकारी नौकरियों के लिए विभिन्न भर्ती परीक्षाएं आयोजित करता है, जिनमें भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) परीक्षा भी शामिल हैं।

पायलट प्रोग्राम का हुआ था संचालन

यूपीएससी ने 14 सितंबर, 2025 को आयोजित एनडीए (राष्ट्रीय रक्षा अकादमी) और एनए (नौसेना अकादमी) द्वितीय परीक्षा, 2025 तथा सीडीएस (संयुक्त रक्षा सेवा) द्वितीय परीक्षा, 2025 के दौरान त्वरित और सुरक्षित अभ्यर्थी सत्यापन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता- (एआइ) सक्षम चेहरा प्रमाणीकरण प्रौद्योगिकी का परीक्षण करने के लिए पायलट प्रोग्राम संचालित किया था।

यह पायलट प्रोग्राम गुरुग्राम के चयनित केंद्रों पर किया गया, जहां अभ्यर्थियों की चेहरों का उनके पंजीकरण प्रपत्रों में उपलब्ध कराई गई तस्वीरों से डिजिटल रूप से मिलान किया गया था। यूपीएससी के अध्यक्ष अजय कुमार ने कहा, नए सिस्टम ने प्रत्येक उम्मीदवार के लिए सत्यापन समय को औसतन केवल आठ से 10 सेकंड तक कम कर दिया, जिससे प्रवेश प्रक्रिया काफी सरल हो गई।

भीषण ठंड में ठिठुरा उत्तर भारत, पंजाब में पारा गिरकर 1.1 डिग्री; दिल्ली में दो दिन का यलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली। उत्तर भारत के पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों में शनिवार का दिन बेहद ठंडा रहा और भीषण ठंड में लोग ठिठुरते नजर आए। कश्मीर घाटी में पिछले कुछ दिनों से तापमान शून्य से नीचे बना हुआ है और दिल्ली में इस सर्दी के मौसम की सबसे ठंडी सुबह रिकार्ड की गई। पंजाब के होशियारपुर में न्यूनतम तापमान राज्य में सबसे कम 1.1 डिग्री सेल्सियस रहा। इस सीजन में पहली बार न्यूनतम तापमान इतना नीचे आया है। पंजाब के अन्य शहर भी भीषण ठंड की चपेट में रहे। अमृतसर का न्यूनतम तापमान 1.3, फरीदकोट व गुरदासपुर का 3.2, बठिंडा का 3.4, राजधानी चंडीगढ़ का 4, पटियाला का 4.4, रूपनगर का 4.5 तथा लुधियाना का 5.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शनिवार को सुबह घनी धुंध पड़ी। कुछ जिलों में दृश्यता 50 मीटर से भी कम रही। कुछ जिलों में शीत दिन जैसी स्थिति बन सकती है। शीत दिन की स्थिति तब बनती है जब अधिकतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से भी कम हो जाता है।

बम धमाके के बाद मणिपुर घाटी में पेट्रोल पंप अनिश्चितकाल के लिए बंद

बिष्णुपुर। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में एक पेट्रोल पंप पर बम फेंके जाने की घटना के बाद सुरक्षा को लेकर बढ़े डर और जबरन वसूली की धमकियों के चलते मणिपुर पेट्रोलियम डीलर्स फ्रेटरनिटी (एमपीडीएफ) ने शनिवार से घाटी क्षेत्र और आसपास के इलाकों में सभी पेट्रोल पंप अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का एलान किया है। गुरुवार रात मोइरांग थाना क्षेत्र में अज्ञात बदमाशों ने दोपहिया वाहन से आकर एक पेट्रोल पंप के पास बम फेंका, जिससे जोरदार विस्फोट हुआ। घटना में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन पेट्रोल पंप की संपत्ति को नुकसान पहुंचा। यह पिछले एक महीने में पेट्रोल पंपों को निशाना बनाकर की गई दूसरी गंभीर वारदात है।

अंकिता भंडारी हत्याकांड की सीबीआई जांच होगी

सीएम धामी ने सिफारिश की, कांग्रेस बोली- सरकार ने अपनी गलती मानी

देहरादून। उत्तराखंड के चर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड की जांच अब सीबीआई कर सकती है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को सीबीआई जांच के लिए संस्तुति प्रदान कर दी है। विपक्ष लगातार इसकी मांग कर रहा था, इसके लिए पूरे राज्य में प्रदर्शन किए जा रहे थे।

वहीं, सीएम धामी ने एक वीडियो जारी कर जानकारी देते हुए बताया कि अंकिता के माता-पिता के अनुरोध और उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए सरकार ने ये फैसला लिया है।

बीते बुधवार को ही मुख्यमंत्री ने अंकिता के माता- पिता को देहरादून बुलाया था, जहां पर परिवार ने सीएम से मामले में निष्पक्ष जांच की मांग रखी

थी। सीएम धामी के ऐलान के बाद कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा की सीबीआई जांच की सिफारिश कर सरकार ने माना है कि अतीत में उनसे गलती हुई है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अंकिता भंडारी के माता-पिता से मुलाकात के दौरान उन्होंने सीबीआइ जांच कराने का अनुरोध किया, जिसके बाद सरकार ने इस प्रकरण में सीबीआई जांच की संस्तुति देने का निर्णय लिया।

महिला आईपीएस अधिकारी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन

मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एक महिला आईपीएस अधिकारी के नेतृत्व में विशेष जांच दल (का गठन किया गया।

ऑडियो क्लिप्स पर एफआईआर, जांच जारी

मुख्यमंत्री ने बताया कि सोशल मीडिया पर सामने आई कुछ ऑडियो क्लिप्स के संबंध में अलगङ्कअलग एफआईआर दर्ज की गई हैं और इन मामलों में जांच की प्रक्रिया लगातार जारी है।

टनल निर्माण | आधी रात में खाली कराए मकान, 15 परिवार बेघर, जनता में अक्रोश, काम रोकने पड़े अड़े

शिमला में टनल निर्माण से कई घरों को खतरा

शिमला। हिमाचल की राजधानी शिमला के चलौंठी में नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया और टनल बनाने वाली कंपनी के खिलाफ जनता में जबरदस्त आक्रोश है। स्थानीय लोग टनल का काम रुकवाने पर अड़ गए हैं। प्रभावित परिवारों ने टनल बनाने वाली कंपनी पर दुर्व्यवहार के भी आरोप लगाए। पंचायतीराज मंत्री अनिरुद्ध सिंह खुद मौके पर पहुंचे हैं।

दरअसल, संजौली के चलौंठी में बन रही फोरलेन की टनल के ऊपर बने एक होटल और 2 मकानों को आधी रात में खाली करवाया गया। इससे अफरा-तफरी मच गई। होटल में काफी टूरिस्ट भी ठहरे हुए थे। उन्हें

भी सड़कों पर आना पड़ा। इसी तरह, 2 मकानों से लगभग 15 परिवारों को दूसरी जगह शिफ्ट किया गया। देर रात तक लोग सड़क किनारे खड़े रहे। टनल निर्माण की वजह से 4 से 5 घर खतरे की जद में आ गए है।

पंचायतीराज मंत्री ने कहा- वह लंबे समय से यह मामला एनएचएआई और केंद्रीय मंत्री गडकरी से उठा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने जिन भवनों को नुकसान हो रहा है, उसकी पूरी भरपाई करने का भरोसा दिया है। उन्होंने कहा- ब्लास्टिंग बंद करने के निर्देश दे दिए गए हैं।

घरों में आई बड़ी बड़ी दरारें, बाईपास भी क्षतिग्रस्त

टनल निर्माण की वजह से लोगों के घरों में बड़ी बड़ी दरारें आ गई है। यही नहीं मकानों के साथ साथ संजौली-ढली बाईपास में भी दरारें आई है। इसे देखते हुए प्रशासन ने देर रात ही इस सड़क पर वाहनों की आवाजाही रोक दी और मौके पर पुलिस बल तैनात कर दिया। कुछ लोग आसपास में ठहरे तो कुछ परिवारों को किसान भवन और होटल में शिफ्ट किया गया।

शिमला में बन रही टनल विवादों में

बता दें कि शिमला के भट्टाकुफर से संजौली के चलौंठी तक फोरलेन की टनल का काम चल रहा है। चलौंठी में टनल निर्माण की वजह से कई घर खतरे की जद में आ गए है। स्थानीय लोगों का कहना है कि करीब 3 दिन पहले दीवारों में हल्की दरारें दिखने लगी थीं। इस बारे में निर्माण कंपनी और जिला प्रशासन को अवगत भी कराया गया था। तब कंपनी कर्मचारियों ने भवन को सुरक्षित बताते हुए किसी बड़े खतरे से इनकार किया था।

मणिपुर में हथियार और विस्फोटक बरामद, तीन उग्रवादी गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। मणिपुर में सुरक्षाबलों ने उग्रवादी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए घाटी क्षेत्रों से प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। अलग-अलग इलाकों में चलाए गए तलाशी अभियानों के दौरान बम, हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (नोयोन) से जुड़े एक उग्रवादी को इंफाल पूर्व जिले के कोंगपाल चिंगंगबम इलाके से पकड़ा गया।

वहीं, इंफाल पश्चिम जिले के अम्बेखोंगनांगखोंग क्षेत्र से प्रतिबंधित प्रेपाक (प्रो) संगठन के 50 वर्षीय सदस्य को गिरफ्तार किया गया।

इसी जिले के नागाराम इलाके से प्रतिबंधित पीपल्स लिबरेशन आर्मी से जुड़े एक उग्रवादी को भी पकड़ा गया, जिस पर जबरन वसूली में शामिल होने का आरोप है। उसके पास से दस मांग-पत्र बरामद किए गए हैं।

तलाशी अभियान के दौरान हथियार और गोला-बारूद बरामद

इस बीच, थौबल जिले के इकोप पट क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान हथियार और गोला-बारूद जब्त किए गए।

वहीं, इंफाल पूर्व जिले की नातुम चिंग और सनासाबी पहाड़ियों से एक देसी एके राइफल, एक हैंड ग्रेनेड और बम बरामद हुए हैं।

संपादकीय

एसआईआर पर बढ़ता विवाद : व्यवस्था के कठघरे में खड़े हो गए मतदाता

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

भारत के लोकतंत्र की आधारशिला मतदाता सूची है, लेकिन 2025–2026 में चुनाव आयोग द्वारा शुरू किया गया विशेष गहन संशोधन (Special Intensive Revision - SIR) इस आधारशिला को ही हिलाकर रख दिया है। बिहार से शुरू हुई यह प्रक्रिया अब देश के कई राज्यों में फैल चुकी है, और जहां एक ओर चुनाव आयोग इसे मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन बनाने का संवैधानिक कर्तव्य बता रहा है, वहीं विपक्ष और प्रभावित मतदाता इसे 'वोट चोरी' और 'एनआरसी जैसी साजिश' करार दे रहे हैं।

बिहार में जून 2025 में एसआईआर की शुरुआत हुई, जहां 2003 की पुरानी मतदाता सूची को आधार मानकर नए सिरे से सत्यापन किया गया। आयोग के अनुसार, मृतक, प्रवासी और डुप्लिकेट नाम हटाने के लिए यह जरूरी था। ड्राफ्ट सूची में करीब 65 लाख नाम हटाए गए, जिसमें 22 लाख मृत मतदाता, 36 लाख स्थायी रूप से स्थानांतरित और लाखों डुप्लिकेट शामिल थे। कई लोग जीवित होने के बावजूद सूची से बाहर हो गए, जिससे व्यापक विरोध हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप करते हुए आयोग को हटाए गए नामों की सूची प्रकाशित करने, आधार कार्ड जैसी दस्तावेजों को स्वीकार करने और ऑनलाइन दावे दर्ज करने की अनुमति देने का आदेश दिया। बावजूद इसके, अंतिम सूची में भी लाखों नाम कटे रहे।

बिहार विधानसभा चुनाव (नवंबर 2025) के बाद भाजपा की ऐतिहासिक जीत ने विवाद को और हवा दी। विपक्षी दल (आरजेडी, कांग्रेस आदि) का आरोप था कि दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक और गरीब तबके के मतदाता जानबूझकर प्रभावित किए गए, जिनके पास जन्म प्रमाण-पत्र, पैतृक दस्तावेज आदि नहीं होते। यह प्रक्रिया गरीबों, प्रवासियों और हाशिए पर जीने वालों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी। कई जगहों पर बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) द्वारा घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने में देरी, दस्तावेजों की कमी और तकनीकी गड़बड़ियां सामने आईं।

अब एसआईआर का दूसरा चरण देशव्यापी हो गया है। अक्टूबर 2025 से पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल, उत्तर प्रदेश समेत 9 राज्यों और 3 केंद्रशासित प्रदेशों में यह चल रहा है, जहां 51 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं का सत्यापन हो रहा है। जनवरी 2026 तक जारी ड्राफ्ट सूचियों में करीब 6.5 करोड़ नाम हटाए जा चुके हैं। उत्तर प्रदेश में अकेले 2.89 करोड़ नाम कटे, जबकि तमिलनाडु में 97 लाख और गुजरात में 73 लाख। अंतिम सूची फरवरी-मार्च 2026 में आएगी।

विपक्ष इसे 'लोकतंत्र पर हमला+ बता रहा है। आरोप है कि यह प्रक्रिया 2026 के विधानसभा चुनावों (पश्चिम बंगाल, असम आदि) में भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए है। TMC, DMK, कांग्रेस आदि दलों ने संसद में बहस की मांग की, और कई PIL सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं। विपक्ष का कहना है कि गरीबों के पास पुराने दस्तावेज नहीं होते, जिससे वे मताधिकार से वंचित हो रहे हैं। वहीं, आयोग का तर्क है कि अवैध प्रवासी (बांग्लादेशी आदि) और फर्जी नाम हटाना जरूरी है।

मतदाता अब व्यवस्था के कठघरे में खड़े हैं। एक तरफ शुद्ध मतदाता सूची की जरूरत, दूसरी तरफ लाखों पात्र नागरिकों का नाम कटने का डर। एसआईआर ने लोकतंत्र की निष्पक्षता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर यह प्रक्रिया पारदर्शी नहीं रही, तो विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र अपनी विश्वसनीयता खो सकता है। समय है कि चुनाव आयोग और सरकार मिलकर संवाद बढ़ाएं, दस्तावेजों की प्रक्रिया सरल बनाएं और सभी पात्र मतदाताओं को शामिल करने का भरोसा दें। अन्यथा, यह विवाद सिर्फ चुनावी मुद्दा नहीं, बल्कि लोकतंत्र के भविष्य का सवाल बन जाएगा।

क्या टीएमसी-ईडी विवाद का पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव पर प्रभाव पड़ेगा?

कमलेश पांडे

जहां तक टीएमसी पर प्रभाव की बात है तो इस विवाद से टीएमसी का कोर वोट बैंक (मुस्लिम-दलित) एकजुट हो सकता है, क्योंकि ममता की साजिश के खिलाफ लड़ाई वाली इमेज मजबूत हुई है। वहीं नई दिल्ली प्रदर्शन और इंडिया गठबंधन का समर्थन मिलने से राज्य में सहानुभूति पैदा कर 5-10 सीटें बचा सकता है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दृष्टिगत राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और प्रमुख विपक्षी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जो केंद्र में सत्तारूढ़ है, के बीच जिस तरह की सियासी जंग छिड़ी हुई है; केंद्र व राज्य की प्रशासनिक मिशनरियों के दुरूपयोग की बातें सुनी जा रही हैं, उससे साफ है कि दिल्ली की तत्कालीन सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया अरविंद केजरीवाल की ही तरह पश्चिम बंगाल की मौजूदा मुखिया ममता बनर्जी को उनके पद से हटाकर ही भाजपा रहेगी।

यही वजह है कि भाजपा ने मशहूर चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर को शह प्रदान करने वाली कंपनी आई-पैक की नकेल कसने का निश्चय किया है और अपनी प्रशासनिक प्रभाव वाली मिशनरी ईडी को उसके पीछे लगा दिया है, जैसा कि आरोपी लगते आये हैं। तभी तो टीएमसी और ईडी के बीच कोयला तस्करी से जुड़े आई-पैक छापों पर विवाद तेज हो गया है, जहां ममता बनर्जी ने केंद्रीय एजेंसी पर चुनावी डेटा चोरी का आरोप लगाया है।

वहीं, ईडी का दावा है कि ममता ने जांच में बाधा डाली और महत्वपूर्ण दस्तावेज ले लिए। देखा जाए तो यह विवाद 2026 बंगाल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले केंद्र-राज्य टकराव को उभार रहा है।

बताते चलें कि ईडी ने 7-8 जनवरी 2026 को कोलकाता और दिल्ली में आई-पैक (टीएमसी की चुनावी सलाहकार फर्म) के 10 ठिकानों पर छापे मारे, जो कोयला घोटाले से जुड़े हैं। इससे विचलित हुईं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद ही छापे स्थल पहुंचीं और अपनी पार्टी की जरूरत वाली दस्तावेज बचाकर ले गईं, जिसे ईडी ने बाधा बताते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर की।

वहीं, टीएमसी ने भी कोर्ट में ईडी पर राजनीतिक डेटा चुराने का केस ठोका, जबकि कोलकाता पुलिस ने ईडी के खिलाफ दो मामले दर्ज किए।

इस प्रकार उक्त विवाद का राजनीतिक प्रभाव स्पष्ट है। कुलमिलाकर यह विवाद टीएमसी को केंद्र की साजिश का शिकार दिखाने में मदद कर रहा है, जो उसके वोट बैंक को एकजुट कर सकता है। जबकि भाजपा इसे भ्रष्टाचार उजागर करने का मौका मान रही है, खासकर पुराने घोटालों (स्कूल जॉब्स, पीडीएस) के बाद। वहीं अन्य विपक्षी दल जैसे कांग्रेस और आप टीएमसी का समर्थन कर रहे हैं, जबकि सीपीआई(एम) इसे स्टेज्ड ड्रामा बता रहा है।

इससे पुन: यह सवाल उठता है कि आखिर चुनाव से ठीक पहले शुरू हुआ यह राजनीतिक और प्रशासनिक ड्रामा किसके पक्ष में जाएगा? शायद टीएमसी के पक्ष में, क्योंकि इस विवाद से भी ममता की संघर्षरत नेता की छवि मजबूत हो रही है। वहीं, जिस तरह से नई दिल्ली में टीएमसी सांसदों के प्रदर्शन से इंडिया गठबंधन को मजबूती मिली है, उससे साफ है कि चुनावी डेटा चोरी का नैरेटिव मुस्लिम-दलित वोटों को पुन: लोकसभा चुनाव 2024 की तरह ही एकजुट कर सकता है।

क्योंकि टीएमसी को वोट एकीकरण में मदद मिलेगी, उसकी केंद्र-विरोधी नैरेटिव मजबूत होगी। यह बात दीगर है कि यदि कोर्ट में हार मिली तो इससे उनकी छवि को धक्का पहुंचेगा।

हालांकि, भाजपा के पक्ष में सकारात्मक बात यह है कि यदि ईडी कोयला घोटाले में ठोस सबूत लाती है, तो टीएमसी नेताओं (अभिषेक बनर्जी से जुड़े केस) पर दबाव बनेगा और भाजपा %विकास 1ह्य भ्रष्टाचार% पर हमला बोल सकेगी। वहीं, कोर्ट फैसला भाजपा को नैतिक ऊंचाई दे सकता है। यदि ऐसा हुआ तो, जैसा कि दिल्ली का अनुभव चुगली कर रहा है कि केजरीवाल के बाद ममता का सियासी शिकार करके ही भाजपा दम लेगी।

क्योंकि भाजपा भ्रष्टाचार के मुद्दे पर एक्सपोजर पा जाएगी और राज्य सरकार पर दबाव बनाने में सफल होगी, जबकि जोखिम यह है कि उसपर एजेंसी दुरुपयोग का आरोप पुष्ट होगा, जिससे जनता का मूड बदला तो उसे लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

सुलगता सवाल है कि आखिर इस विवाद का चुनावी प्रभाव पश्चिम बंगाल पर कितना होगा? तो जवाब होगा कि टीएमसी-ईडी विवाद पश्चिम बंगाल के अप्रैल 2026 विधानसभा चुनावों पर सीमित, लेकिन लक्षित प्रभाव डाल सकता है, खासकर करीबी सीटों (लगभग 90) पर जहां वोट अंतर कम है। यह केंद्र-राज्य टकराव को तेज कर टीएमसी को %पीड़ित% की छवि दे रहा है, लेकिन लंबे समय तक भ्रष्टाचार के आरोपों से उसकी साख को नुकसान पहुंचा सकता है।

जहां तक टीएमसी पर प्रभाव की बात है तो इस विवाद से टीएमसी का कोर वोट बैंक (मुस्लिम-दलित) एकजुट हो सकता है, क्योंकि ममता की साजिश के खिलाफ लड़ाई वाली इमेज मजबूत हुई है।

वहीं नई दिल्ली प्रदर्शन और इंडिया गठबंधन का समर्थन मिलने से राज्य में सहानुभूति पैदा कर 5-10 सीटें बचा सकता है। हालांकि, कोयला घोटाले जैसे पुराने केस दोहराने से शहरी/मध्यम वर्ग में असंतोष बढ़ेगा।

जहां तक भाजपा पर प्रभाव की बात है तो भाजपा को भ्रष्टाचार उजागर करने का नैरेटिव मिला है, जो उसके परिवर्तन एजेंडे को मजबूत करेगा, विशेषकर आदिवासी/हिंदू बहुल क्षेत्रों में। यदि कोर्ट ईडी के पक्ष में फैसला देता है, तो 10-15 सीटों पर फायदा संभव; वोटर लिस्ट स्ढ्ढक्र विवाद के साथ मिलकर ध्रुवीकरण तेज करेगा। जबकि जोखिम यह है कि एजेंसी दुरुपयोग का आरोप विपक्ष को मजबूत बनाएगा। जहां तक कुल चुनावी प्रभाव की बात है तो कुल 294 सीटों में यह विवाद 20-30 सीटों तक सीमित रह सकता है, क्योंकि बंगाल में स्थानीय मुद्दे (बेरोजगारी, स्ढ्ढक्र बांग्लादेश तनाव) हावी हैं।

सवाल है कि इस विवाद से प्रभावित 90 विधानसभा सीटें कौन-कौन सी हैं तो जवाब होगा कि टीएमसी-ईडी विवाद से प्रभावित 90 विधानसभा सीटों का विश्लेषण वोटर लिस्ट विवाद (स्ढ्ढक्रयोजना से 56 लाख नाम हटने) से जुड़ा है, न कि सीधे ईडी छापों से। ये वे सीटें हैं जहां वोटर अंतर कम (5,000 से कम) है और नाम हटने से टीएमसी का वोट बैंक प्रभावित हो सकता है। प्रभावित क्षेत्र यानी 90 सीटें मुख्यत: दक्षिण बंगाल (हावड़ा, हुगली), उत्तर बंगाल (कूचबिहार, जलपाईगुड़ी), और कोलकाता उपनगरीय इलाकों में हैं। ईडी विवाद इनमें टीएमसी को सहानुभूति दे सकता है, जबकि भाजपा भ्रष्टाचार फोकस बढ़ाएगी।

इस विवाद से प्रभावित होने वाली प्रमुख सीटें निम्नलिखित हैं- पहला, दक्षिण 24 परगना (30+ सीटें): बासिरहाट उत्तर, हरिर्पाड़ा, बस्ती हावड़ा – मुस्लिम बहुल, नाम हटने से 7.5 प्रतिशत प्रभाव। दूसरा, उत्तर 24 परगना (20 सीटें): बिद्हन्नागर, राजारहाट, बारीसपुर- शहरी, मध्यम वर्ग असंतोष। तीसरा, हुगली-हावड़ा (15-20): चंद्रताल, सिंगुर, पानतड़स- 2021 के करीबी मुकाबले।

चतुर्थ, उत्तर बंगाल (15): माथाभांगा, तुलराम, फाल्टा- आदिवासी/राजबंशी प्रभावित। इससे साफ है कि नो रिस्क, नो गेन की सियासत जारी रहेगी।

दूषित पेयजल

यह विडंबना ही है कि हमारे नागरिक प्रशासन का नियामक तंत्र आग लगने पर कुआं खोदने की मानसिकता से मुक्त नहीं होता। यदि समय रहते संवेदनशील या फिर घातक साबित होने वाली स्थिति व परिस्थिति पर नजर रखी जाए तो जनधन की हानि टाली भी जा सकती है। हाल ही में दूषित पेयजल से इंदौर में हुई जन हानि के बाद रोहतक और झज्जर की उन चेतावनियों की अनदेखी नहीं की जा सकती,जिसमें नागरिक घरों में आने वाले गंदे व बदबूदार पानी की शिकायत करते रहे हैं। निश्चय ही इस स्थिति को जन स्वास्थ्य से जुड़े आपातकाल के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके साथ ही नागरिकों की शिकायत की जांच-पड़ताल कर अविलंब कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन इसके बावजूद जवाबदेही न निभाने और एक-दूसरे विभाग पर दोष मढ़ने का पुराना सिलसिला ही अकसर सामने आता है। उल्लेखनीय है कि इंदौर की हालिया दूषित पेयजल की त्रासदी में नगरपालिका द्वारा सप्लाई किए जा रहे पानी के सेवन से कई लोगों की जान चली गई और बड़ी संख्या में लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। विडंबना यह है कि वहां भी नागरिकों की शुरुआती चेतावनियों को सामान्य शिकायतों के रूप में देखकर खारिज कर दिया गया था। लेकिन एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत के बाद अधिकारियों ने स्वीकार किया कि इंदौर में पेयजल पाइपलाइनों में सीवेज का रिसाव हुआ था। यह स्वीकारोक्ति भी तब सामने आई जब बड़ा नुकसान हो चुका था। लगता है कि रोहतक व झज्जर भी इसी तरह के आसन्न खतरे के मुहाने पर खड़े हैं। वैसे देखा जाए तो देश के विभिन्न हिस्सों में सामने आने वाले ऐसे मामले न तो रहस्यमय हैं और न ही ये कोई नई बात ही है। बुनियादी ढांचागत व्यवस्था का जर्जर होना, सीवर लाइनों में रिसाव, अनियोजित शहरी विस्तार और नागरिक एजेंसियों के बीच आवश्यक समन्वय का अभाव, अकसर ऐसी स्थिति पैदा कर देता है, जहां सीवेज और पीने का पानी खतरनाक रूप से एक-दूसरे के करीब आ जाते हैं।

गाहे-बगाहे देश के विभिन्न भागों में स्थानीय नागरिक जब-तब आरोप लगाते हैं कि पीने के पानी में सीवर का पानी मिलने की आशंका है। ऐसे में शासन-प्रशासन की पहली प्रतिक्रिया, इसके सत्यापन, पाइप लाइन की मरम्मत और वैकल्पिक पेयजल उपलब्ध कराने की होनी चाहिए। ऐसे में स्वास्थ्य संकट को दूर करने और अपनी बात मनवाने के लिये यदि नागरिकों को सड़कों पर उतरना पड़ता है तो यह शासन-प्रशासन की विफलता को ही दर्शाता है। विडंबना यह है कि जल प्रदूषण का सबसे बुरा असर समाज के कमजोर वर्ग पर ही पड़ता है। ऐसे में बच्चे, बुजुर्ग और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग इसकी चपेट में आते हैं। निर्विवाद रूप से दूषित जल से डायरिया, हेपेटाइटिस और अन्य दूषित जल जनित बीमारियों का प्रभाव तेजी से फैलता है। जिसके चलते अफरा-तफरी के बीच अक्सर स्थानीय स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा जाती है। ऐसे में तंत्र की निष्क्रियता की कीमत आम लोगों को न केवल अस्पताल के भारी-भरकम बिलों के रूप में, बल्कि जानमाल के नुकसान और प्रशासन के प्रति जनता के विश्वास में आई कमी के रूप में भी चुकानी पड़ती है। निश्चित रूप से दूषित पाइपलाइनों को तुरंत बंद किया जाना चाहिए। व्यापक स्तर पर प्रभावित क्षेत्र में जल स्रोतों का परीक्षण होना चाहिए। साथ ही यह भी जरूरी है कि प्रभावित क्षेत्र में व्यापक स्तर पर लिए गए पानी के नमूनों की जांच के परिणाम भी सार्वजनिक किए जाएं। इसके अलावा आवश्यक है कि दूषित सिस्टम के सुरक्षित प्रमाणित होने तक सुरक्षित वैकल्पिक जल आपूर्ति सुनिश्चित की जानी चाहिए। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि जिम्मेदारी तय की जाए, न कि बांटी जानी चाहिए। सही मायनों में शहरी प्रशासन की कुशलता को स्वच्छ जल, स्वच्छता और जन-सुरक्षा जैसी बुनियादी बातों के मूल्यांकन के आधार पर मापा जाना चाहिए। ऐसे में इंदौर के घटनाक्रम को एक चेतावनी मानते हुए रोहतक और झज्जर के मामले में तत्काल कार्रवाई करने की जरूरत है।

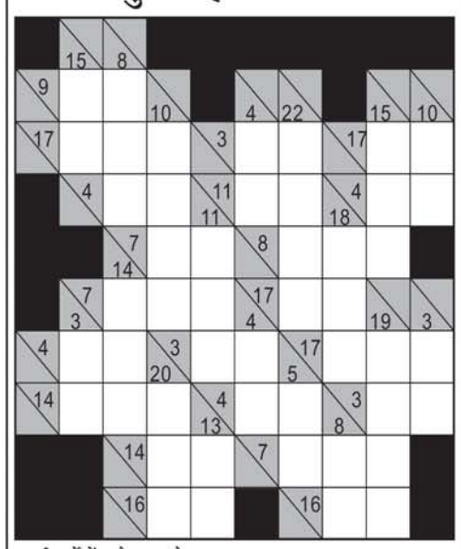

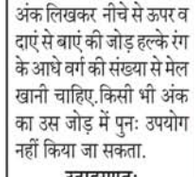

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3767

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की ओर जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो -3766 का हल

हंसी के फूव्वारें

भिखारी: बाबूजी, एक पैसा दे दो.

बाबूजी: पैसे में क्या मिलेगा तुम ज्यादा क्यों नहीं मांगते ?

भिखारी: बाबूजी, मैं आदमी की हैसियत देखकर मांगता हूँ.

□ □ □

डॉक्टर साहब, मेरे पति के आगे के दो दांत बहुत निकले हैं. वह ठीक हो सकते हैं ?

'क्या आपके पति बचपन में हाथियों के साथ खेलते थे ?'

□ □ □

प्रेमी-'प्रिय,मेरा साक्षात्कार का बुलावा आया है. जाऊं या नहीं, तुम्हारी क्या राय है ?'

प्रेमिका-'मेरी तो यह राय है कि जाना है तो जाओ, नहीं जाना हो तो मत जाओ.'

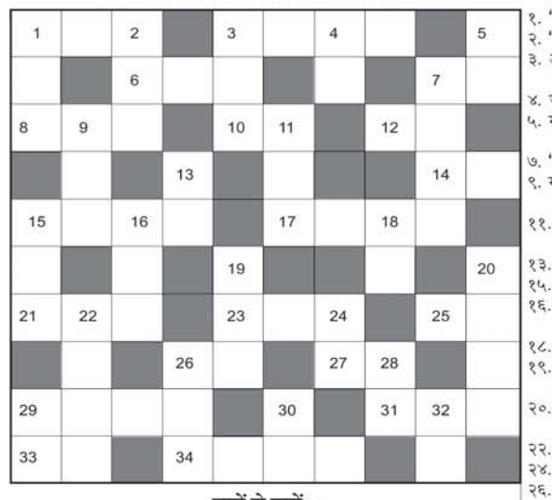

□ □ □

पहला दोस्त-'मेरी प्रेमिका की मांग इतनी ज्यादा थी कि मैंने उससे संबंध तोड़ लिया.'

दूसरा दोस्त-'क्या मांग थी उसकी ?'

पहला दोस्त-'शादी की.'

□ □ □

औरत-(दूधवाले से)भइया कल तुम्हारा दूध बहुत खट्टा था.

दूधवाला-क्या करूं बहनजी कल मेरी भैंस ने चार-पांच नींबू खा लिये थे.

फिल्म वर्ग पहेली - 3767

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी ?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लकीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था ?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी ?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका ?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका ?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक ?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3766

सूडोकु -3767

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 3766 का हल

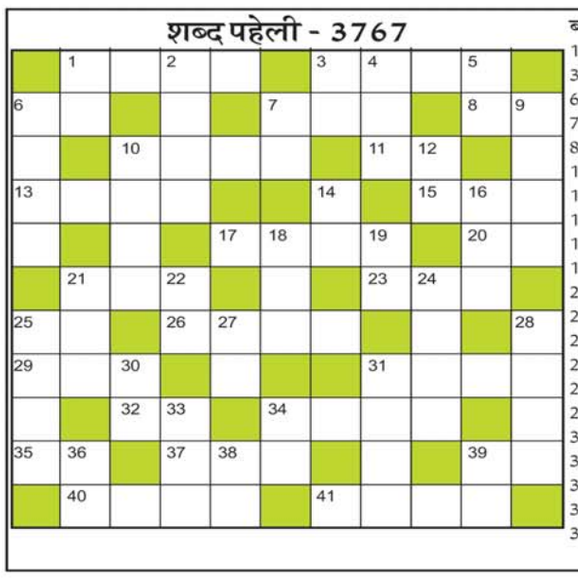

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 3767

बाएँ से दाएँ

1.बलवान,ताकतवर-4
3.गाल,कपोल(ऊर्दू)-4
6.अनाज, धान-2
7.अवनति-3
8.जीवन तत्व-2
10.पुलिसकर्मी-4
11.भीगा हुआ-2
13.घमंडी,अभिमानी-4
15.दर्शन-3
17.अजदहा,शयालु-4
20.वायु रोग-2
21.दोस्त,सखा-3
23.ख्वाब,स्वप्न-3
25.अपशिष्ट पदार्थ-2
26.जंगल की आग-4
29.पुत्र,लड़का-3
31.पैगंबर,महापुरुष-4
32.राय,वोट-2
34.आफिस,दफ्तर-4
35.वीज,वीर्य-2
37.घर,भवन-3
39.सप्तम-2
40.आक्रमण,हमला-4
41.बलवान,सबल-4

ऊपर से नीचे

1.एक छोटी डबलरोटी-2
2.धर्मेंद्र,जीनत की एक फिल्म जो हीरे की चोरी पर बनी थी-4
3.मौसम,ऋतु-2
4.खोदना-3
5.छुट्टी,अवकाश-2
6.उदास,दुखी-4
7.पंख,पराया-2
9.जहीनता-4
10.आवश्यकता-4
12.अभिमान,गरुर-2
14.अग्नि,अनल-2
16.विदा होना-3
18.कुशल-3
19.फलों का रस-2
21.संगम,मिलना-3
22.वायदा-2
24.हार,मात-4
25.स्वार्थी-4
27.दीवार (अंग्रेजी-2)
28.आदत-4
30.यमराज-2
31.उथल-पुथल-4
33.पदक-3
34.श्रवणेंद्रिय-2
36.जीत,विजय-2
38.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.पत्नी की बहन-2

शब्द पहेली -3766 का हल

शिकायतों के निवारण में नोएडा पुलिस पूरे प्रदेश में अव्वल

26 थाने की रैंक पहली रही, हर शुक्रवार को होती है समीक्षा

नोएडा। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त जन शिकायतों के निपटारा में कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर ने पूरे प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। इस बार जिले के 26 थाने की रैंक पहली रही। मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से दिसंबर महीने की मूल्यांकन रिपोर्ट शुक्रवार को जारी हुई। आईजीआरएस टीम प्रभारी, सभी थाने के प्रभारी और ऑपरेटर को पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने पुरस्कृत करने की बात कही है। पुलिस कमिश्नर द्वारा आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायत पत्रों के निवारण के लिए शुक्रवार को समीक्षा की जाती है,जिसके कारण कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर रैंकिंग में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। आईजीआरएस एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है, जिसको सरकार की तरफ से नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं के समाधान के लिए

स्थापित किया गया है।

इस प्रणाली का उद्देश्य नागरिकों को एक आसान और प्रभावी माध्यम प्रदान करना है। इसके माध्यम से वे अपनी शिकायतें दर्ज कर सकें और उनका त्वरित समाधान प्राप्त कर सकें।

पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह का कहना है कि इस प्रणाली के तहत गौतमबुद्धनगर का दिसंबर महीने में प्रथम रैंक पर आना एक बड़ी उपलब्धि है। यह नागरिकों की शिकायतों के त्वरित और प्रभावी समाधान का प्रमाण है।

इन थानों की रैंक रही पहली

बीटा टू, इकोटेक थर्ड, सेक्टर-20, सेक्टर-63,जेवर, सूरजपुर, दनकौर, सेक्टर-142, सेक्टर-49, बादलपुर, दादरी, कासना, बिसरख, रबुपुरा, सेक्टर-113, नॉलेज पार्क, फेज थर्ड, सेक्टर-39, फेज वन, सेक्टर-24, सेक्टर-126, इकोटेक वन, एक्सप्रेसवे, सेक्टर-58, फेज थर्ड और महिला थाना।

ग्रेटर नोएडा में थार के टायर चोरी

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर ओमिक्रोन-2 में चोरों ने एक थार गाड़ी के टायर चोरी कर लिए। चोर गाड़ी को ईंटों पर खड़ा कर फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। यह घटना देर रात करीब 2 से 3 बजे के बीच हुई। दो अज्ञात चोर बाउंड्री वॉल कूदकर सेक्टर में घुसे। उन्होंने सी-199 नंबर के सामने खड़ी थार कार के दोनों पहिए खोल लिए। टायर चोरी करते समय कार के शीशे टूटने की आवाज सुनकर आसपास के लोग जाग गए। लोगों को आता देख चोर अपनी कार में बैठकर फरार हो गए, जो सेक्टर के बाहर सड़क पर खड़ी थी। घटना की सूचना तुरंत डायल-112 पर दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। सेक्टरवासियों ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से इस संबंध में शिकायत की है। उनका कहना है कि बाउंड्री वॉल पर फेंसिंग न होने के कारण असामाजिक तत्व आसानी से सेक्टर में प्रवेश कर जाते हैं।

नोएडा एक्सप्रेस-वे के नीचे बनेंगे 2 अंडरपास

30 सेक्टर और 20 गांवों को होगा फायदा, जनवरी से ही शुरू होगा काम

एजेंसी

नोएडा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर बनने वाले दो अंडरपास का काम दस दिन में शुरू हो जाएगा। झट्टा अंडरपास के निर्माण पर 99 करोड़ 74 लाख और सुल्तानपुर अंडरपास पर 81 करोड़ 61 लाख रुपए खर्च अनुमानित है। दोनों अंडरपास बनने से करीब 30 सेक्टर और 20 गांवों के हजारों लोगों को फायदा होगा।

यहां पर निर्माण शुरू करने से पहले करीब 330 पेड़ों को स्थानांतरित करने और काटने का काम शुरू कर दिया गया है।

नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे पर एक अंडरपास सेक्टर-128 सुल्तानपुर और दूसरा सेक्टर-168 झट्टा गांव के सामने बनाया जाएगा। इनके निर्माण की जिम्मेदारी पिछले साल जुलाई महीने में सीएस इंफ्रा कंस्ट्रक्शन को दी जा चुकी है।

18 महीने में होगा निर्माण

दोनों अंडरपास खुदाई कर बनाए जाएंगे। शर्तों के अनुसार काम शुरू होने के बाद 18 महीने में निर्माण कार्य पूरा करना होगा।

एजेंसी का चयन हुए करीब छह महीने हो चुके हैं,लेकिन अब जाकर काम में रुकावट बन रही चीजों को हटाने का काम शुरू किया गया। यहां पेड़ों के साथ बिजली के केबल भी शिफ्ट होने हैं। इसके बाद ही काम शुरू हो सकेगा।

यहां बनेगा अंडरपास

सुल्तानपुर गांव के सामने बनने वाला अंडरपास सेक्टर-128, 129, 132 और 108 के बीच बनेगा। वहीं, झट्टा अंडरपास सेक्टर-145, 146, 155 और 159 में बनेगा।

सुल्तानपुर अंडरपास की लंबाई 731 तो झट्टा अंडरपास की लंबाई 800 मीटर होगी।

शार्ट न्यूज

किसान एकता संघ का कैंडल मार्च

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कस्बे में शनिवार को किसान एकता संघ ने मेरठ के कपसाड गांव में दलित परिवार के साथ हुई घटना के विरोध में कैंडल मार्च निकाला और प्रदर्शन किया। संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने घटना के आरोपियों की अब तक गिरफ्तारी न होने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की और सरकार तथा पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी भी की। किसान एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सोरन प्रधान ने इस दौरान कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था चरमरा गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में गुंडाराज कायम है और गरीब तथा मजलूम लोगों की सुनवाई नहीं हो रही है। चौधरी सोरन प्रधान ने मांग की कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त सजा दी जाए, ताकि समाज में न्याय का भरोसा बना रहे। कैंडल मार्च में किसान एकता संघ के कई प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। इनमें श्रीकृष्ण बैंसला, मेहरबान अली, हेमराज बीडीसी, उम्मेद एडवोकेट, अखिलेश प्रधान, डॉ. इमरान खान, डॉ. इरफान खान, जेपी नागर, सल्लन पहलवान, ओमवीर नागर, कुनाल और रोहित गौतम सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

बेहद खराब श्रेणी में रही नोएडा-ग्रेनो की हवा

नोएडा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई शनिवार को बेहद खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। नोएडा का एक्यूआई 348 और ग्रेटर नोएडा का 338 रहा। एक दिन पहले भी दोनों शहरों की हवा बेहद खराब श्रेणी में रही थी। एक दिन पहले के मुकाबले नोएडा और ग्रेटर नोएडा में वायु प्रदूषण कम हुआ। नोएडा में 17 और ग्रेटर नोएडा में 26 अंक एक्यूआई कम रहा। अगले छह दिनों में भी दोनों शहरों का एक्यूआई 300 के आसपास रहने का अनुमान है। जिले में सबसे वायु प्रदूषित स्थान सेक्टर एक रहा। यहां का एक्यूआई 395 दर्ज किया गया। खिली धूप ने ठंड से राहत दी सुबह से निकली खिली धूप ने ठंड से राहत दी ।मौसम विज्ञान विभाग ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा का अधिकतम तापमान जारी नहीं किया। न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो एक दिन पहले के मुकाबले एक डिग्री अधिक रहा। अगले छह दिनों तक अधिकतम तापमान 20 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। वहीं न्यूनतम तापमान छह से नौ डिग्री के बीच रह सकता है। सुबह कोहरा रहने की संभावना है। अगले छह दिनों तक कड़ाके की ठंड बनी रहेगी। शुक्रवार को इस मौसम का सबसे सर्द सुबह थी।

अस्पताल से लापता युवती मिली

नोएडा। सेक्टर-39 थानाक्षेत्र स्थित जिला अस्पताल से लापता युवती को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया। युवती मानसिक रूप से विक्षिप्त है। उसे एक सामाजिक संस्था ने मेडिकल के लिए जिला अस्पताल लाया था। वहीं से वह गुम हो गई थी। मामले में सामाजिक संस्था के लोगों ने थाने में मुकदमा दर्ज करवाया था। थाना सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पुलिस ने शुक्रवार रात को दिल्ली से युवती को सकुशल बरामद कर लिया । सड़क पर युवक मूर्छित अवस्था में मिला नोएडा। एक्सप्रेसवे थानाक्षेत्र के एडवांट बिल्डिंग के पास एक युवक सड़क पर मूर्छित अवस्था में मिला। पुलिस ने उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है ।उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस को आशंका है कि मादक पदार्थ के ज्यादा सेवन के चलते वह मूर्छित होकर सड़क पर गिर गया होगा। युवक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस युवक की पहचान के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले रही है। आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटाई गई है।

उपभोक्ताओं को ओटीएस के लाभ बताए

नोएडा। विद्युत निगम की एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) के दूसरे चरण के तहत शनिवार को जिले में 24 से अधिक स्थानों पर शिविर लगाए गए। शिविर में बकायेदारों को योजना के लाभों की जानकारी दी जा रही है। शिविर में शनिवार को दो सौ से अधिक उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया। विद्युत निगम के अधीक्षण अभियंता रितेश आनंद ने बताया कि 48 हजार से अधिक बकायेदारों में से 16 हजार उपभोक्ता योजना के तहत पंजीकरण करा चुके हैं। इनसे विद्युत निगम को 37 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। शनिवार को दो सौ से अधिक उपभोक्ताओं ने योजना के तहत पंजीकरण कराया ।इससे विद्युत विभाग को 15 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। वहीं बिजली चोरी के प्रकरण में अभी तक 1800 उपभोक्ता पंजीकरण करा चुके हैं। इन उपभोक्ताओं ने पांच करोड़ रुपये का राजस्व जमा किया। विद्युत निगम के अधीक्षण अभियंता रितेश आनंद ने बताया कि शनिवार को बिजली चोरी के प्रकरण में संलिप्त 30 लोगों ने पंजीकरण कराया और 20 लाख रुपये जमा किए।

जिले में 11 लाख वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर लगी

नोएडा। जिले की लगभग 11 लाख गाड़ियां में हाई सिक्योरिटी नंबर लग गई है। इनमें नई और वर्ष 2019 से पहले पंजीकृत, दोनों तरह की गाड़ियां शामिल हैं। परिवहन विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक जिन गाड़ियों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लगी है, उनमें से ज्यादातर समयसीमा पूरी कर चुकी हैं। ऐसे में इन गाड़ियों में हाईसिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लग सकती है। जिले में लगभग 12 लाख गाड़ियां पंजीकृत हैं। इनमें निजी वाहनों की संख्या अधिक हैं। इनमें भी दोपहिया वाहन ज्यादा है। इनमें से करीब 11 लाख गाड़ियों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लग चुकी हैं ।आरटीओ प्रशासन नंदकुमार ने बताया कि नई गाड़ियों में वाहन डीलर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगा कर दे रहे हैं। वहीं, पुरानी गाड़ियों में पोर्टल पर आवेदन करके लोग या तो घर बैठे अथवा वाहन को डीलर के पास में ले जाकर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि वह वाहन जो समयसीमा पूरी कर चुके हैं, उन गाड़ियों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लग सकती।

खरीदार रजिस्ट्री के लिए अदालत का रुख करेंगे

ग्रेटर नोएडा। महागुन मंत्रा-वन सोसाइटी के घर खरीदार पिछले चार वर्षों से रजिस्ट्री कराने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस मुद्दे पर शनिवार को लोगों ने बैठक की। इसमें लोगों ने रजिस्ट्री के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाना का निर्णय लिया। लोग ग्रेनो प्राधिकरण को भी मामले में पक्षकार बनाने की तैयारी में हैं। आरोप है कि बिल्डर रेरा के आदेशों का पालन नहीं कर रहा। सोसाइटी में रहने वाले देवेंद्र जाखड़, जेपी पांडेय, सुमन कुमार झा का कहना है कि प्रकरण में संबंधित प्राधिकरण की भूमिका संदिग्ध है। उसने बिल्डर से बकाया धनराशि वसूलने के लिए कार्रवाई नहीं की इसके कारण ओसी-सीसी की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी, जिसके चलते रजिस्ट्री नहीं हो रही। इसी कारण प्रस्तावित याचिका में प्राधिकरण को भी पक्षकार बनाए जाने की तैयारी की जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि न्यायिक प्रक्रिया के दौरान भी जानबूझकर विलंब और आदेशों की अवहेलना जारी रही, तो बिल्डर के विरुद्ध आपराधिक कार्यवाही दर्ज कराने के विकल्प पर भी गंभीरता से विचार किया जाएगा।

सोसाइटी के पार्क में बच्चे को लात और घूसों से पीटा

नोएडा। रंजिश में एक व्यक्ति ने सोसाइटी के पार्क में बच्चे को लात और घूसों से पीट दिया। गाली गलौज का विरोध करने पर बच्चे के साथ मारपीट की गई। घायल बच्चे के पिता ने आरोपी के खिलाफ सेक्टर-39 थाने में केस दर्ज कराया है। सेक्टर-42 स्थित धन्य निकेतन सोसाइटी निवासी सुनील कुमार सिंह ने पुलिस को बताया कि बीते साल 29 नवंबर को दोपहर ढाई बजे उनका बेटा ईशान सोसाइटी के पार्क में खेलने गया था। तभी सोसाइटी के फ्लैट नंबर 83 में रहने वाले आलोक ने फुटबॉल मारने की रंजिश को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी ईशान ने जब गाली गलौज करने से मना किया तो आलोक तैश में आए गए और उसे लात-घूसों से पीटा। ईशान के चिल्लाने पर पार्क में खेल रहे अन्य बच्चे और सोसाइटी के लोग भागकर मौके पर पहुंचे। किसी तरह बच्चे को आरोपी के चंगुल से बचाया गया। इस दौरान आरोपी बच्चे को जान से मारने की धमकी देकर वहां से चला गया। घटना के बाद से ईशान सहमा हुआ है और सोसाइटी से बाहर नहीं निकल रहा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

ग्रेटर नोएडा में बदमाश और लुटेरा के बीच मुठभेड़

पैर में गोली लगने से घायल, लिफ्ट में बुजुर्ग महिला का छीना था चेन

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बिसरख थाना क्षेत्र में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी 8 जनवरी को एक सोसाइटी की लिफ्ट में बुजुर्ग महिला से चेन लूटने के प्रयास के मामले में वांछित था। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की गोली बदमाश के पैर में लगी, जिससे वह घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार, बुधवार को बिसरख थाना पुलिस क्षेत्र में वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर सवार एक संदिग्ध युवक आता दिखाई दिया। पुलिस ने जब उसे रुकने का इशारा किया, तो वह भागने लगा और खुद को घिरता देख पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली बदमाश के पैर में लगी और वह मौके पर ही घायल होकर गिर पड़ा। घायल बदमाश की पहचान राहुल यादव निवासी हाथरस के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक तमंचा, कारतूस और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। बरामद बाइक बिसरख थाना क्षेत्र से ही चोरी की गई थी।

दनकौर में मजदूर पर गोली चलाने वाले आरोपी गिरफ्तार

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में एक महीने पहले मजदूर को गोली मारकर घायल करने के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी विवेक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को शनिवार को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, इस मामले में पहले ही दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के मुताबिक, यह घटना किसान आदर्श इंटर कॉलेज के पास स्थित विवादित प्लॉट को लेकर हुई थी। आरोप है कि कस्बा निवासी विवेक ने अपने पिता और कुछ अन्य साथियों के साथ मिलकर नवादा गांव निवासी मजदूर अमित पर हमला किया और उसे गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल मजदूर को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। घटना के बाद प्लॉट के मालिक राकेश नागर ने विवेक सहित चार लोगों के खिलाफ कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया।

नोएडा में आईटी इंजीनियर ने किया सुसाइड

दोस्तों ने कमरे में फंदे से लटका देखा, नीचे उतारकर अस्पताल पहुंचाया; इलाज के दौरान मौत

नोएडा। नोएडा में शुक्रवार देर रात एक आईटी इंजीनियर ने आत्महत्या कर ली। जब उसके दोस्तों ने उसे कमरे में फंदे से लटका देखा, तो उन्होंने तुरंत उसे नीचे उतारा। उस समय इंजीनियर की सांसें चल रही थीं। इसके बाद उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां कुछ देर इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने सुसाइड की सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। साथ ही पुलिस ने दोस्तों से पूछताछ की और मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दी। पुलिस को कमरे के अंदर से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

बिहार के रहने वाला था इंजीनियर

इंजीनियर की पहचान प्रियदर्शी रंजन (26) के रूप में हुई है। वह बिहार के नालंदा जिले का रहने वाला था। प्रियदर्शी रंजन नोएडा की एक

निजी कंपनी में आईटी इंजीनियर के पद पर कार्यरत था और सेक्टर-51 के होशियारपुर गांव में किराए के कमरे में रहता था।

शुक्रवार को प्रियदर्शी अपने दोस्तों के साथ कार्यालय गया था। वहां से लौटने के बाद उसके दोस्त किसी काम से कमरे से बाहर चले गए। इसी दौरान प्रियदर्शी ने फांसी लगा ली। जब उसके दोस्त कमरे में लौटे, तो उन्होंने प्रियदर्शी को फंदे से लटका हुआ देखा।

दोस्तों ने तत्काल उसे नीचे उतारा और गंभीर हालत में सेक्टर-71 स्थित एक निजी अस्पताल ले गए। अस्पताल में डॉक्टरों ने उसकी हालत नाजुक बताते हुए तुरंत उपचार शुरू किया। हालांकि, कुछ ही समय बाद इलाज के दौरान प्रियदर्शी रंजन की मौत हो गई।

थाना प्रभारी बोले- दोस्तों से पूछताछ की जा रही है

जानकारी मिलते ही सेक्टर-49 थाना प्रभारी अस्पताल पहुंचे और मामले की जानकारी ली और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि युवक के मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य निजी सामानों की जांच की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह किसी मानसिक तनाव, पारिवारिक परेशानी या नौकरी से जुड़े दबाव में तो नहीं था।

युवक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। साथ ही मृतक के दोस्तों से भी पूछताछ की जा रही है। शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन युवक ने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का वास्तविक कारण पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगा।

नोएडा में जमीन कब्जा करने पर 8 लोगों पर एफआईआर

बिना अनुमति के अवैध निर्माण करा रहे थे, पहले दी गई थी चेतावनी

नोएडा। नगला वाजिदपुर गांव में नोएडा प्राधिकरण की अर्जित जमीन पर अवैध निर्माण करने का एक और मामला सामने आया है। प्राधिकरण के अवर अभियंता ने एक्सप्रेसवे थाने में आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

चेतावनी के बाद भी नहीं रोका निर्माण

नोएडा प्राधिकरण के वर्क सर्किल नौ में हरेंद्र सिंह मलिक अवर अभियंता हैं। उनके सर्किल स्थित नगला वाजिदपुर

में प्राधिकरण की अर्जित जमीन हैं। जमीन पर गांव के भंवर सिंह, राकेश, टीकम, अभिषेक, रिषभ, करनपाल, रोहित समेत आठ लोग बिना अनुमति के अवैध निर्माण करा रहे हैं। कई बार चेतावनी और नोटिस के बाद भी अवैध निर्माण करना नहीं रोका गया है।

टीम के साथ की अभद्रता

टीम ने मौके पर जाकर निर्माण कार्य रोकना चाहा तो आरोपितों ने अभद्रता कर भगा दिया। चोरी छिपे अवैध निर्माण कार्य कराना जारी रहा। हरेंद्र मलिक ने पुलिस से शिकायत की। थाना प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि अवर अभियंता की शिकायत पर भंवर सिंह, राकेश, टीकम, अभिषेक, रिषभ, करनपाल, रोहित समेत आठ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

एनएमआरसी के कार्यकारी निदेशक को पद से हटाया गया

नोएडा। नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के कार्यकारी निदेशक महेंद्र प्रसाद को उनके पद से हटा दिया है। इस पद की जिम्मेदारी नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृष्णा करुणेश को दी गई है। वे नोएडा प्राधिकरण साथ अब नोएडा मेट्रो की जिम्मेदारी भी देखेंगे। हालांकि प्राधिकरण अधिकारी इसे रूटीन फेरबदल बता रहे है। लेकिन असल वजह एनएमआरसी के 2026 का केलेंडर हो सकती है। दरअसल इस केलेंडर में तत्कालीन एनएमआरसी के निदेशक महेंद्र प्रसाद और नोएडा मेट्रो रेल कार्पोरेशन के एमडी लोकेश एम की फोटो छपी है। ये फोटो उस महीने के पेज पर है जब अधिकारियों का जन्म दिन है। प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने बताया कि ये तस्वीर उनकी बिना अनुमति के छापी गई है। इसके लिए संबंधित को शो कॉस नोटिस जारी किया गया है।

साथ ही केलेंडर की प्रिंटिंग तक रुकवा दी गई है। कैलेंडर के अप्रैल महीने के पेज पर NMRC के एमएडी और नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम की दो तस्वीरें हैं।

ग्रेटर नोएडा में दूषित पानी की शिकायतों पर जांच शुरू

प्राधिकरण ने 8 टीमें गठित कर रैंडम सैंपलिंग कराई

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में पानी, सीवर और ड्रेन की रैंडम जांच शुरू हो गई है। दूषित जलापूर्ति की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने यह निर्णय लिया है।

उनके निर्देश पर वर्क सर्किल के अनुसार 8 टीमें गठित की गई हैं, जो चार दिनों तक यह अभियान चलाएंगी।

इस अभियान के तहत जलापूर्ति लाइनों में लीकेज, सीवर चोकिंग/ओवरफ्लो तथा ड्रेन-सीवर-पानी कनेक्शन प्वाइंट्स की गहन जांच की जा रही है। प्राधिकरण ने श्रीराम इंस्टीट्यूट फॉर इंडस्ट्रियल रिसर्च लैब की दो टीमें भी तैनात की हैं, जिन्होंने अपनी रैंडम जांच शुरू कर दी है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के जल-सीवर विभाग की 8 टीमों ने पहले दिन 20 से अधिक स्थानों पर जांच की। टीमों ने अपने साथ टीडीएस मीटर, पीएच और क्लोरीन किट जैसे जांच उपकरण रखे थे। प्रारंभिक जांच में सप्लाई के पानी में सभी मानक अनुरूप पाए गए हैं।

प्राधिकरण की टीमों ने सेक्टर-1, 2, 4, 16, 16बी, नॉलेज पार्क-3, इरोज संपूर्णनम सोसाइटी, ऐस सिटी और पंचशील हाइनिश जैसी जगहों पर जांच की।

वहीं, श्रीराम लैब की टीम ने डेल्टा वन के डी ब्लॉक, डेल्टा थ्री के एफ ब्लॉक, अल्फा वन के डी ब्लॉक, अल्फा टू, बीटा टू के एफ ब्लॉक, गामा वन, ईटा वन, थीटा और चाई फोर सहित विभिन्न यूजीआर और पंपिंग स्टेशनों से नमूने लिए हैं।

प्राधिकरण ने श्रीराम लैब की टीम से जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने को कहा है। हालांकि, लैब ने जांच प्रक्रिया पूरी करने में 10 से 12 दिन का समय लगने की बात कही है।

लौदाना से नोएडा तक बस सेवा शुरू

जेवर। जेवर विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों को जोड़ने के लिए एक नई पहल की गई है। गांव लौदाना से नोएडा बस स्टेशन तक परिवहन बस सेवा का विधिवत शुभारंभ किया गया है। इस सेवा से क्षेत्र के हजारों लोगों को सुगम और किफायती आवागमन की सुविधा मिलेगी। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने बताया कि यह बस सेवा गांव लौदाना से शुरू होकर छपना मोड़, कस्बा जहांगीरपुर, बंकापुर, नीमका, जेवर, जेवर कट, दयानतपुर, फलैदा, खेड़ा मोड़, मिर्जापुर, दनकौर, गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय, परीचौक और बॉटनिकल गार्डन होते हुए सेक्टर-37 नोएडा तक संचालित होगी। यह बस ग्रामीण क्षेत्रों को सीधे नोएडा जैसे बड़े शहरी केंद्र से जोड़ेगी। यह परिवहन सेवा विद्यार्थियों को शिक्षण संस्थानों तक पहुंचने में मदद करेगी। साथ ही, किसानों, श्रमिकों, महिलाओं और बुजुर्गों को भी दैनिक आवागमन में राहत मिलेगी। रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुंच के लिए यह बस सेवा महत्वपूर्ण साबित होगी।

गौतमबुद्ध नगर में कांग्रेस ने शुरू किया 'मनरेगा बचाओ संग्राम'

जिला कलेक्ट्रेट पर करेंगे प्रदर्शन, प्रेस वार्ता में दी जानकारी

गौतम बुद्ध नगर। गौतमबुद्ध नगर जिला कांग्रेस कमेटी ने शनिवार को मनरेगा बचाओ संग्राम का आगाज किया। ग्रेटर नोएडा वेस्ट (बिसरख) स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को कमजोर करने का आरोप लगाया और इस पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा कि मनरेगा करोड़ों ग्रामीण गरीबों, मजदूरों और किसानों के लिए रोजगार, सम्मान और आजीविका का महत्वपूर्ण साधन है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों के कारण मनरेगा का बजट लगातार कम किया जा रहा है, मजदूरों को समय पर मजदूरी नहीं मिल रही,

जॉब कार्ड रद्द किए जा रहे हैं और काम की मांग के बावजूद रोजगार नहीं मिल रहा। उन्होंने इसे संविधान और कानून की भावना के विपरीत बताया।

इस अभियान के तहत कांग्रेस रविवार को जिला कलेक्ट्रेट सूरजपुर पर एक दिवसीय शांतिपूर्ण अनशन करेगी। इसमें कांग्रेस कार्यकर्ता, मजदूर, किसान और आम नागरिक शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त, 12 से 29 जनवरी तक जिले की अधिकांश ग्राम पंचायतों में मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत बैठकें आयोजित की जाएंगी। इन बैठकों में ग्रामीणों और मनरेगा लाभार्थियों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी दी जाएगी और सरकार की नीतियों के खिलाफ जन-जागरूकता फैलाई जाएगी।

मेरठ से अगवा लड़की सहारनपुर में मिली

लड़का भी पकड़ा गया, मां की हत्या करके उठा ले गया था

मेरठ/ सहारनपुर। मेरठ से एक दलित लड़की को एक युवक दिनदहाड़े उठाकर ले गया था। लड़की को बचाने आई उसकी बुजुर्ग मां को धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी थी।

वारदात के 3 दिन बाद शनिवार को आरोपी पारस और उसके साथ गई रूबी को पुलिस ने सहारनपुर से बरामद कर लिया। पुलिस दोनों को लेकर मेरठ रवाना हो गई है।

रूबी, पीड़िता

सुनीता, मृतक

एसएसपी विपिन ताडा ने बताया- युवती को बरामद कर लिया गया है। साथ ही युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। मेरठ और सहारनपुर पुलिस ने यह कार्रवाई की है। उनको मेरठ लाया जा रहा है। लोग शांति व्यवस्था बनाए रखें।

मुखबिरों और सर्विलांस से मेरठ पुलिस को अहम सुराग मिले थे। इसी आधार पर कार्रवाई की गई। दोनों से पूछताछ की जाएगी, तभी कुछ सामने आ पाएगा। मामला सरधना थाना क्षेत्र के कपसाड़ गांव का है।

कपसाड़ गांव में रहने वाले सत्येंद्र कुमार मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। परिवार में पत्नी सुनीता के अलावा तीन बेटे और एक बेटी रुबी (20) है। रुबी के सबसे बड़े भाई की शादी हो चुकी है। वह बाहर काम करता है, जबकि उसकी पत्नी और दो बेटियां गांव में ही रहती हैं। दूसरे नंबर पर एक और भाई है, उसकी भी शादी हो चुकी है। वह परिवार के साथ गांव में ही रहता है। तीसरे नंबर पर रूबी है। इसके बाद चौथे नंबर पर एक छोटा भाई है। इन दोनों की अभी शादी नहीं हुई है।

गरीब होने के कारण रूबी ने करीब ढाई साल पहले पढ़ाई छोड़ दी थी। फिलहाल, परिवार में उसके रिश्ते को लेकर बातचीत चल रही थी।

8 जनवरी की सुबह रूबी अपनी मां सरिता के साथ खेत पर अपने पिता सतेंद्र के पास जा रही थी। दोनों को वहां नरेंद्र के खेत में गन्ने की छिलाई करनी थी। गांव से बाहर जंगल के पास पहुंचते ही उन्हें पारस राजपूत नाम का गांव का ही रहने वाला लड़का मिला।

महिलाओं और बालिकाओं को किया गया जागरूक

ललितपुर। माननीय मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार की महत्वकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के अन्तर्गत नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद ललितपुर में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज- 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा बस अड्डों, बाजारों, पार्कों, स्कूलों व गाँव-गाँव आदि जगहों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता, यौन उत्पीड़न से बचाव व उसके खिलाफ आवाज उठाने, साइबर अपराध से बचाव के तरीके, महिलाओं व किशोरियों के कानूनी अधिकार व हेल्प लाइन से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की। विशेष रूप से यह स्पष्ट किया गया कि साइबर अपराधी डर और लालच का सहारा लेते हैं, ऐसे में किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या ओटीपी साझा न करने की सलाह दी गई।

लखनऊ में प्रॉपर्टी डीलर ने खुद को गोली से उड़ाया

जमीन की खरीद-फरोख्त में फंसा रुपया, लेनदारों के तकाजे से परेशान था

लखनऊ। लखनऊ के गोमती नगर विस्तार थाना क्षेत्र में प्रॉपर्टी डीलर ने खुद को गोली मार ली। प्रॉपर्टी का कई जगह पैसा फंसा होने से परेशान था। जिसके चलते अपने ऑफिस में गोली मार ली। परिजनों ने इलाज के लिए हेल्थ सिटी में भर्ती कराया है। जहां इलाज चल रहा है। रिवर व्यू अपार्टमेंट गोमती नगर विस्तार निवासी अभिषेक दत्त प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते थे। शनिवार दोपहर करीब 4 बजे अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर से ऑफिस में खुद को गोली से उड़ा लिया। गोली की आवाज सुनकर मौके पर साला वैभव पहुंचा। वैभव ने आनन-फानन में इलाज के लिए हेल्थ सिटी विस्तार अस्पताल पहुंचाया। जहां गंभीर स्थिति में इलाज चल रहा है।

थाना समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने सुनीं जनसमस्याएं

त्वरित निस्तारण के दिए सख्त निर्देश

पीलीभीत। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना जहानाबाद में व्यापक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी स्वयं थाना परिसर में उपस्थित रहकर फरियादियों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं और प्रत्येक शिकायत का गंभीरतापूर्वक संज्ञान लिया। जनसुनवाई में राजस्व, पुलिस तथा अन्य विभागों से संबंधित विभिन्न प्रकार की शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें भूमि विवाद, आपसी रंजिश, पैमाइश, कब्जा, मारपीट सहित अन्य स्थानीय समस्याएं प्रमुख रहीं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि थाना समाधान दिवस का उद्देश्य जनता को त्वरित और निष्पक्ष न्याय दिलाना है, इसलिए किसी भी शिकायत को हल्के में न लिया जाए।

उन्होंने आपसी विवादों से जुड़ी शिकायतों के संबंध में निर्देश दिए कि संबंधित क्षेत्र के लेखपाल एवं पुलिस कर्मियों की संयुक्त टीम मौके पर जाकर तत्काल जांच करे और दोनों पक्षों को बुलाकर पारदर्शी तरीके से समस्या का समाधान सुनिश्चित कराए। जिलाधिकारी ने थाना प्रभारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जनसुनवाई के दौरान प्राप्त समस्त शिकायतों में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जाकर निस्तारण किया जाए तथा किसी भी दशा में कोई भी शिकायत अनावश्यक रूप से लंबित न रखी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायतकर्ता को संतुष्टि मिलना निस्तारण की वास्तविक कसौटी है, केवल औपचारिक कार्रवाई से काम नहीं चलेगा। जिलाधिकारी ने आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए थानाध्यक्ष को निर्देश दिए कि सभी ऑनलाइन शिकायतों का गुणवत्तापरक, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा शिकायतकर्ता को फोन अथवा अन्य माध्यम से समाधान की जानकारी भी दी जाए। इसके साथ ही उन्होंने थाना जहानाबाद के इंट्री प्वाइंट के आसपास सड़क किनारे पड़े कूड़े के ढेरों पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कूड़ा हटवाने और नियमित साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए, ताकि आमजन को स्वच्छ वातावरण मिल सके। थाना समाधान दिवस के दौरान पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर नताशा गोयल, थानाध्यक्ष जहानाबाद, संबंधित लेखपाल एवं अन्य पुलिस अधिकारीगण उपस्थित रहे। अधिकारियों ने जिलाधिकारी को भरोसा दिलाया कि प्राप्त सभी शिकायतों का गंभीरता से निस्तारण कराते हुए शासन की मंशा के अनुरूप जनता को राहत पहुंचाई जाएगी।

मिशन शक्ति के तहत पुलिस ने कराई खेलकूद प्रतियोगिता, बेटियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया

ललितपुर। बानपुर पुलिस के द्वारा बालिकाओं की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत जनपद के थाना बानपुर पुलिस द्वारा जीवन शिल्प स्कूल, बानपुर की बालिकाओं का स्कूल में खेल प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। खेल प्रतियोगिता में बालिकाओं द्वारा उत्सुकता से भाग लिया गया। तत्पश्चात बालिकाओं को ट्राफी देकर सम्मानित किया गया।

साथ ही सभी बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता, यौन उत्पीड़न से बचाव व उसके खिलाफ आवाज उठाने, साइबर अपराध से बचाव के तरीके, महिलाओं व किशोरियों के कानूनी अधिकार व हेल्प लाइन नं0 1090, 1930 आदि से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गई।बालिकाओं को भरोसा दिलाया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न या साइबर ठगी की सूचना तुरंत देने पर पुलिस पूरी गंभीरता से कार्रवाई करेगी। नारी की सुरक्षा केवल जिम्मेदारी नहीं, ललितपुर पुलिस का संकल्प है।

अयोध्या राम मंदिर में नमाज पढ़ने की कोशिश

अयोध्या। अयोध्या के राम मंदिर में एक 55 साल के कश्मीरी व्यक्ति ने नमाज पढ़ने की कोशिश की। जैसे ही उसने नमाज पढ़ने के लिए कपड़ा बिछाया, तो वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसको पकड़ लिया। इसके बाद वह नारेबाजी करने लगा। पूछताछ में उसने अपना नाम अबु अहद शेख बताया। वह कश्मीर के शोपियां का रहने वाला है। सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां भी मौके पर पहुंच गईं। अबु अहद शेख से राम मंदिर परिसर में बने पुलिस कंट्रोल रूम में पूछताछ की जा रही है कि वो अयोध्या क्यों आया था? उसने जो बयान दिए हैं, उन्हें क्रॉस करने के लिए राम मंदिर पथ और रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी देखे जा रहे हैं।

रैली और संवाद से आमजन को सुरक्षित यातायात का दिया संदेश

ललितपुर। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत जनपद ललितपुर पुलिस की ओर से सड़क सुरक्षा को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में जनपदीय पुलिस द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दृष्टिगत अपने-अपने थाना क्षेत्रों जनता के लोगों को सड़क सुरक्षा के महत्व, यातायात नियमों का पालन, पैदल और वाहन चालकों की जिम्मेदारियां, तथा सुरक्षित ड्राइविंग नियमों के बारे में जानकारी दी गई, साथ ही पुलिस ने हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट और ट्रैफिक नियमों का पालन जैसी बातों पर विशेष जोर दिया। इस पहल का उद्देश्य है कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली हानियों और मृत्यु दर को कम करना तथा युवा पीढ़ी में सुरक्षित यातायात और जिम्मेदार ड्राइविंग की जागरूकता बढ़ाना है।

लखनऊ एयरपोर्ट पर यात्री से 2 कारतूस मिले

लखनऊ। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर दुबई जा रहे एक यात्री के हैंडबैग से .32 बोर के दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। सुरक्षा जांच के दौरान सीआईएसएफ ने यात्री को हिरासत में लिया था। यह घटना बीती रात की है। लखनऊ के ठाकुरगंज निवासी मो. गुफरान को रात 1:35 बजे एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान (आईएक्स 193) से दुबई जाना था। वह बोर्डिंग के लिए टर्मिनल बिल्डिंग में प्रवेश कर रहे थे। रात करीब 12 बजे सुरक्षा जांच के दौरान एसएचए एरिया में सीआईएसएफ को उनके हैंडबैग की स्क्रीनिंग करते समय दो जिंदा कारतूस दिखाई दिए। इसके बाद सीआईएसएफ जवानों ने मो. गुफरान को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। भौतिक जांच में बैग के अंदर .32 बोर के पिस्टल के दो जिंदा कारतूस मिले। पूछताछ के दौरान यात्री मो. गुफरान ने अपने शस्त्र का वैध लाइसेंस प्रस्तुत किया। लाइसेंस की वैधता की पुष्टि होने के बाद उन्हें यात्रा जारी रखने की अनुमति दे दी गई। हालांकि, बरामद किए गए कारतूसों को सीआईएसएफ ने सरोजनी नगर पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

जाखलौन पुलिस ने चौपाल में किया सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक

ललितपुर। जाखलौन पुलिस व यातायात पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिए चौपाल का आयोजन किया। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर जिलाधिकारी पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी यातायात राजेश श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में यातायात पुलिस ललितपुर एवं थानाध्यक्ष जाखलौन द्वारा थाना क्षेत्र में जन चौपाल के माध्यम से वाहन चालकों/आम जनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। उक्त अभियान के अंतर्गत यातायात पुलिस द्वारा, वाहन चालकों एवं आम नागरिकों को यातायात नियमों के पालन के संबंध में जागरूक किया गया। अभियान के दौरान विशेष रूप से निम्न बिंदुओं पर जागरूकता प्रदान की गई। दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य प्रयोग चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग दो पहिया वाहन पर तीन सवारी न बैठाने के नियम का पालन रॉन्ग साइड ड्राइविंग न करने एवं निर्धारित दिशा में ही वाहन चलाने की अपील कोहरे के समय वाहन धीमी गति से चलाएं तथा आगे चल रहे वाहन से पर्याप्त सुरक्षित दूरी बनाए रखें। वाहन चलाते समय हेडलाइट, फॉग लाइट एवं रिफ्लेक्टर का सही प्रयोग करें, हाई बीम का अनावश्यक उपयोग न करें तथा दृश्यता कम होने पर सावधानीपूर्वक वाहन संचालित करें।

ड्रिंक एंड ड्राइव के संबंध में विशेष अपील

यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों को यह भी जागरूक किया जा रहा है कि नशे की हालत में वाहन चलाना गंभीर अपराध है, जिससे न केवल चालक बल्कि अन्य राहगीरों के जीवन को भी खतरा उत्पन्न होता है। नशे में वाहन चलाने पर कानून के तहत कठोर दण्डात्मक कार्रवाई का प्रावधान है। अत: सभी वाहन चालकों से अपील की जाती है कि नशे की स्थिति में वाहन बिल्कुल न चलाएं।यातायात पुलिस ललितपुर आमजन से अपील करती है कि वे यातायात नियमों का पालन कर स्वयं सुरक्षित रहें तथा दूसरों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करें।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व से सटे गांवों में नेपाली हाथियों का कहर

सैकड़ों बीघा फसल तबाह, किसान मुआवजे के लिए बेहाल

पीलीभीत। पीलीभीत टाइगर रिजर्व से सटे ग्रामीण इलाकों में नेपाली हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे सीमावर्ती गांवों के किसानों में दहशत और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। नेपाल की गौरी फंटा सेंचुरी से आए हाथियों के झुंड ने महुआ, गोयल कॉलोनी, सिरसा सरदाह समेत कई गांवों में भारी तबाही मचाई है। हाथियों ने सैकड़ों बीघा में खड़ी गन्ना, गेहूं, धान, सरसों और मसूर की फसलों को रौंदकर नष्ट कर दिया, जिससे किसानों की साल भर की मेहनत कुछ ही रातों में बर्बाद हो गई। वन विभाग द्वारा लगातार गश्त और प्रयासों के बावजूद हाथियों के हमले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। हाल ही में हाथियों ने महुआ गांव में कहर बरपाते हुए किसान श्रीकृष्णा और प्रेम प्रकाश के खेतों में लगे सिंचाई पंपसेटों को उखाड़ कर पलट दिया और लगभग पचास मीटर तक घसीटते हुए नुकसान पहुंचाया। किसान प्रेम प्रकाश ने बताया

कि एक जनवरी से लगातार हाथी उनके खेतों में घुसकर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिससे उनके सामने परिवार के भरण-पोषण का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। एक अन्य किसान गौरीशंकर ने बताया कि फसल नष्ट होने के कारण बच्चों की स्कूल फीस तक भर पाना मुश्किल हो गया है और घर की आर्थिक स्थिति चरमरा गई है।फसलों के भारी नुकसान की जानकारी मिलने पर बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्ता ने मामले को गंभीरता से लेते हुए डीएफओ भरत कुमार से फोन पर वार्ता की और क्षेत्र में गश्त बढ़ाने के साथ-साथ प्रभावित किसानों को तत्काल मुआवजा दिलाने के निर्देश दिए। विधायक ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसानों का नुकसान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जिम्मेदार अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करनी होगी।उन्होंने यह भी कहा कि सरकार किसानों के साथ खड़ी है और मुआवजे में देरी किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं होगी। वन विभाग की ओर से वन दरोगा अमित तिवारी और डिप्टी रेंजर शेर सिंह ने बताया कि हाथियों को आबादी वाले क्षेत्रों से दूर रखने के लिए विभागीय टीमें लगातार मशालें जलाकर और पटाखों का उपयोग कर रही हैं, ताकि हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ा जा सके। बावजूद इसके हाथियों के झुंड बार-बार गांवों की ओर लौट आ रहे हैं और फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विभाग स्तर से लगातार निगरानी की जा रही है और स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास जारी हैं। दूसरी ओर किसानों के मुआवजे का मामला राजस्व विभाग की लापरवाही के चलते अधर में लटका हुआ है। वन विभाग ने फसल नुकसान के सर्वे के लिए दो बार रिमाइंडर भेजे, लेकिन अब तक राजस्व विभाग की ओर से आवश्यक सर्वे पूरा नहीं किया गया है। क्षेत्रीय लेखपाल ज्योति सिंह द्वारा सर्वे में हो रही देरी के कारण दर्जनों किसानों की मुआवजा फाइलें लंबित पड़ी हैं, जिससे पीड़ित किसानों में भारी नाराजगी है।

लखनऊ में प्रेमी-प्रेमिका वंदे भारत के आगे कूदे

सिर धड़ से अलग, हाथ कटे; एक ऑफिस में काम करते थे

लखनऊ। लखनऊ में युवक-युवती वंदे भारत ट्रेन के आगे कूद गए। उनकी टुकड़ों में कटी लाश ट्रैक किनारे पड़ी मिली।

दोनों सदर में एक प्राइवेट ऑफिस में साथ काम करते थे। युवक पहले से शादीशुदा है और उसका एक साल का बेटा भी है।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। घटना आलमनगर स्टेशन के पास रेलवे जलालपुर फाटक पर शनिवार दोपहर पौने 2 बजे हुई।

युवक की पहचान नीलमथा के रहने वाले सूर्यकांत (35) के रूप में हुई। वहीं, युवती अर्जुनगंज के शाह खेड़ा गांव की रहने वाली दीपाली (25) थी। दीपाली 7 जनवरी (बुधवार) को ऑफिस के लिए अपने घर से निकली थी, लेकिन पहुंची नहीं। युवती के घरवालों ने 8 जनवरी को ही सुशांत गोल्फ सिटी थाने में गुमशुदगी की एफआईआर दर्ज कराई थी।

प्रत्यक्षदर्शी विकास कुमार ने बताया- युवक और युवती आलमनगर स्टेशन के जलालपुर फाटक के पास करीब ढाई घंटे से टहल रहे थे। करीब 1 बजकर 45 मिनट पर वंदे भारत ट्रेन के आने का सिग्नल हुआ। ट्रेन स्टेशन की तरफ बढ़ रही थी।

अचानक दोनों सामने से आती ट्रेन के आगे ट्रैक पर लेट गए। लोगों ने आवाज लगाई और शोर मचाया, लेकिन तब तक ट्रेन उनके ऊपर से गुजर गई। इससे युवती का सिर धड़ से अलग हो गया, जबकि युवक के दोनों हाथ कट गए। दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

शार्ट न्यूज

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

ललितपुर। जाखलौन पुलिस ने दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट के आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना जाखलौन पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 200/2025 धारा 65(1)/137(2) बीएनएस व 5/6 पॉक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त छोटे राजा उर्फ भज्जू अहिरवार पुत्र इमरत उम्र 22 वर्ष नि0ग्राम पिपरिया वंशा थाना जाखलौन जनपद ललितपुर को नियमानुसार गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के विरूद्ध नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करते हुये न्यायिक अभिरक्षा हेतु मा0 न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार करने वाली टीम थानाध्यक्ष अर्जुन सिंह उ. नि. सुनील कुमार दीक्षित का. विकास सिंह का. करन कुमार निर्मल आदि शामिल रहे।

यूपी में दरोगा 50 हजार घूस लेते अरेस्ट

महाराजगंज। महाराजगंज में एक दरोगा को एंटी करप्शन टीम ने 50 हजार घूस लेते रंगे हाथ पकड़ा। दरोगा ने दहेज उत्पीड़न के मुकदमे में आरोपी पर धाराएं कम करने के लिए पैसे मांगे थे। आरोपी ने ये जानकारी गोरखपुर की एंटी करप्शन टीम को दे दी। शिकायत मिलने के बाद टीम ने दरोगा को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। दरोगा मिठाई की दुकान में आया। दरोगा ने जैसे ही रिश्वत की रकम ली, टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया। उसके पास से रिश्वत की रकम बरामद करके उसे हिरासत में लिया। कोतवाली महराजगंज में तैनात मो. अशरफ खान मूल रूप से गाजीपुर जिले का निवासी है। 2019 में पुलिस में भर्ती हुआ था। बाना कोतवाली क्षेत्र के गांव पकड़ी खुर्द के रहने वाले सइदुल्लाह के खिलाफ उनकी पत्नी ने दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कराया था। इस मामले की जांच दरोगा मो. अशरफ खान कर रहे थे। आरोपियों ने केस को कमजोर करने के लिए धाराएं कम करने के लिए दरोगा मो. अशरफ खान से संपर्क किया। दरोगा ने आरोपी से इसके एवज में 50,000 रुपए की रिश्वत मांगी।

उन्नाव हत्या मामले में दूसरा आरोपी गिरफ्तार

बीघापुर। उन्नाव पुलिस ने एक हत्या के मामले में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। बीघापुर पुलिस ने यह गिरफ्तारी 10 जनवरी 2026 को की। आरोपी की पहचान रायबरेली निवासी ललित कुमार के रूप में हुई है। यह मामला 6 नवंबर 2025 का है, जब बीघापुर थाना क्षेत्र के टिकौली रावतपुर हॉल्ट से 200 मीटर दूर रेलवे ट्रैक के किनारे एक अज्ञात महिला का शव मिला था। महिला के गले में चोट के निशान थे। बाद में मृतका की पहचान उसकी मां द्वारा रायबरेली के दुर्गागंज निवासी 18 वर्षीय सुनीता के रूप में की गई। मृतका की मां की तहरीर पर बीघापुर थाने में मु0अ0सं0 293/25 धारा 103(1)/238 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में मुख्य अभियुक्त अंकुल पुत्र शिवमोहन जाटव (उम्र 23 वर्ष, निवासी खुदायपुर, रायबरेली) को 7 नवंबर 2025 को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया था। अब, 10 जनवरी 2026 को, बीघापुर पुलिस ने दूसरे अभियुक्त ललित कुमार (उम्र 30 वर्ष, पुत्र शिवमोहन, निवासी भटपुरवा, रायबरेली) को इन्दामऊ चौराहे से गिरफ्तार किया है।

सीतापुर में सड़क हादसे में युवक की मौत

सीतापुर। सीतापुर के लहरपुर कोतवाली क्षेत्र में शनिवार देर शाम एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। गणेशपुर नेवादा गांव के पास बाइक और ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर में 26 वर्षीय गुफरान गंभीर रूप से घायल हो गया था। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गुफरान पुत्र अशरफ अली, गंगादीन पुरवा गांव का निवासी था और लखीमपुर की लुमिनस कंपनी में काम करता था। वह हेलमेट पहनकर अपनी बाइक से कंप्लेंट ठीक करके गांव वापस लौट रहा था, तभी लहरपुर सीतापुर मार्ग पर गणेशपुर नेवादा पुलिया के पास यह दुर्घटना हुई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने एंबुलेंस को जानकारी दी। एंबुलेंस ने गुफरान को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। खबर सुनते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण अस्पताल में जमा हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अपराध निरीक्षक साबिर अली ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

कौशांबी। कौशांबी जिले के अजुहा कस्बे में मंगलवार देर शाम हुए सड़क हादसे में घायल एक व्यक्ति की चार दिन बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान गांधी नगर जीटी रोड निवासी कंचन अग्रहरि (पुत्र स्व. गंगा प्रसाद) के रूप में हुई है। यह घटना मंगलवार शाम को हुई जब कंचन अग्रहरि पैदल अपने घर जा रहे थे। तभी सैनी की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दी। इस हादसे में कंचन का पैर फ्रैक्चर हो गया। परिजन उन्हें इलाज के लिए पहले प्रयागराज और बाद में फतेहपुर के एक निजी अस्पताल ले गए। हादसे के बाद बाइक सवार मौके से भागने की कोशिश कर रहा था। अजुहा कस्बे के भोला चौराहे स्थित ब्रेकर के पास पहुंचते ही उसकी बाइक आगे जा रहे एक ट्रक में जा घुसी। इस दौरान फतेहपुर जिले के खागा कोतवाली के जवाहरगंज निवासी बाइक सवार साहिल (पुत्र सियाराम) गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से साहिल को सीएचसी सिराथू में भर्ती कराया। कंचन अग्रहरि का इलाज फतेहपुर के निजी अस्पताल में चल रहा था, जहां शनिवार शाम को चार दिन के उपचार के बाद उनकी मौत हो गई।

तालाब की भूमि से हटा अवैध कब्जा

सीतापुर। सीतापुर के सदरपुर इलाके में सरकारी भूमि के बाद अब तालाबों और जल स्रोतों पर किए गए अवैध कब्जों के विरुद्ध प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में महमूदाबाद तहसील क्षेत्र के कस्बा सदरपुर में स्थित एक तालाब पर पिछले करीब 10 वर्षों से चले आ रहे अवैध कब्जे को शनिवार को बुलडोजर चलाकर हटवा दिया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार कस्बा सदरपुर निवासी अख्तर अली पुत्र हबीबुल्लाह द्वारा तालाब की सरकारी भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर टेंट की दुकान संचालित की जा रही थी। तालाब की भूमि पर निर्माण और व्यावसायिक गतिविधि होने से जल स्रोत के अस्तित्व पर संकट उत्पन्न हो गया था। इस संबंध में शिकायतें मिलने के बाद तहसील प्रशासन ने मामले की जांच कराई, जिसमें कब्जा अवैध पाए जाने पर धारा 67 के अंतर्गत बेदखली की प्रक्रिया शुरू की गई। सभी वैधानिक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शुक्रवार को प्रशासनिक टीम जेसीबी मशीन के साथ मौके पर पहुंची और अवैध रूप से बनाई गई दुकान को ध्वस्त कर दिया।

कानपुर में बंद मकान से 6 लाख की चोरी

कानपुर। कानपुर के चकेरी थाना क्षेत्र में एक बंद मकान से चोरों ने 6 लाख रुपये की नकदी और जेवर चोरी कर लिए। यह घटना गुरुवार देर रात की है। चट्टा संचालिका की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पटेल नगर निवासी बुधनी ने बताया कि उनका दूसरा मकान टटियन झनाकां में है। उनके पति फूलसिंह यादव वहां चट्टा संचालित करते हैं। बुधनी के अनुसार, 8 जनवरी की शाम को उनके पति किसी काम से बाहर गए थे। वह अपने छोटे बेटे के साथ चट्टे में काम करने गई थीं, जिससे घर पर ताला लगा हुआ था। चोरों ने मुख्य गेट का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया। चोरों ने अलमारी तोड़कर तीन लाख रुपये नकद और लगभग तीन लाख रुपये के जेवर चुरा लिए। जब बुधनी घर लौटीं, तब उन्हें चोरी का पता चला। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की। चकेरी थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि चोरी का मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में इमरान खान समर्थक की पुलिस की कार्रवाई में मौत

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान में पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी के खिलाफ सेना और सरकार की दमनपूर्वक कार्रवाई जारी है। ताजा घटना में पंजाब पुलिस की कार्रवाई में एक पीटीआई समर्थक की मौत हो गई है। पीटीआई ने यह दावा किया है। दरअसल पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पीटीआई विरोध प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही है। उससे पहले पंजाब पुलिस की कार्रवाई में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के एक समर्थक की गुरुवार को मौत हो गई, जबकि दर्जनों अन्य को गिरफ्तार किया गया। हालांकि पंजाब पुलिस ने किसी को भी गिरफ्तार करने से इनकार किया और यह भी कहा कि खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के समर्थक की मौत में उसकी कोई भूमिका नहीं है। खान की पार्टी ने दो साल पहले आम चुनावों में चुराए गए जनादेश के विरोध में 8 फरवरी को एक बड़े प्रदर्शन की घोषणा पहले ही कर दी है। इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं, जब उन्हें पहली बार गिरफ्तार किया गया था। अप्रैल 2022 में उनकी सरकार गिरने के बाद खान के खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए हैं।

लोगों को अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने का पूरा हक

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की नई विदेश नीति अब साफ तौर पर तीन मोर्चों पर आगे बढ़ती दिख रही है। ईरान में मानवाधिकार, लैटिन अमेरिका में अपराध और वेनेजुएला में राजनीतिक स्थिरता। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बयानों से यह संकेत मिला है कि ट्रंप प्रशासन इन मुद्दों पर नरमी नहीं, बल्कि सीधी और कठोर नीति अपनाने के मूड में है। जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिका उन सभी लोगों के साथ खड़ा है, जो शांतिपूर्ण तरीके से अपने अधिकारों की मांग कर रहे हैं। उन्होंने ईरान का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां के लोगों को अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने का पूरा हक है। साथ ही उन्होंने दोहराया कि ईरान को उसके परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका से गंभीर बातचीत करनी चाहिए, क्योंकि यही उसके लिए सबसे बेहतर रास्ता है। वेंस के मुताबिक, अमेरिका कैरीबियन और लैटिन अमेरिका में शांति को प्राथमिकता दे रहा है। उन्होंने कहा कि ड्रग कार्टेल इस पूरे क्षेत्र की सबसे बड़ी अस्थिर करने वाली ताकत हैं। जब अवैध नशे के कारोबार से होने वाली कमाई पर रोक लगेगी, तब अपने आप हिंसा और अराजकता कमजोर पड़ेगी। अमेरिका इसी रणनीति के तहत सहयोगी देशों के साथ मिलकर काम कर रहा है। वेनेजुएला को लेकर वेंस ने साफ कहा कि अमेरिका वहां हालात को अस्थिर नहीं, बल्कि नियंत्रित और स्थिर देखना चाहता है। उन्होंने बताया कि नई सरकार पर लगातार नजर रखी जा रही है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि वह अमेरिका के साथ तालमेल में काम करे। इसके लिए कई स्तरों पर नियमित बैठकें हो रही हैं। इन बयानों से साफ है कि ट्रंप प्रशासन विदेश नीति में दबाव, संवाद और शक्ति तीनों का इस्तेमाल कर रहा है। अमेरिका का संदेश साफ है कि जहां अधिकारों का हनन होगा, वहां आवाज उठेगी और जहां अपराध और अव्यवस्था होगी, वहां सख्ती दिखाई जाएगी। आने वाले समय में इसका असर वैश्विक राजनीति पर साफ दिख सकता है।

वैश्विक दक्षिण को शांति-स्थिरता के लिए भारत के नेतृत्व की खास जरूरत

कोलंबो , एजेंसी। दक्षिण एशिया में लंबे वक्त तक शांति और स्थिरता के लिए भारतीय नेतृत्व की खास जरूरत है। यह बात गुरुवार को श्रीलंका के सांसद नमल राजपक्षे ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कही। राजपक्षे ने कहा कि हाल की बदलती वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों के बीच दक्षिण एशिया में मजबूत क्षेत्रीय सहयोग की बढ़ती और तत्काल जरूरत है और भारत इसमें केंद्रीय भूमिका निभा सकता है। नमल राजपक्षे का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब दक्षिण एशिया ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। उन्होंने कहा कि हालिया वर्षों में बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका ने राजनीतिक उथल-पुथल के दौर झेला है। कई बार इस दौरान हुई गड़बड़ियों को चरमपंथी तत्वों ने समर्थन और बढ़ावा दिया। ऐसे में इन चुनौतियों से निपटने, उग्रवाद व आतंकवाद का का मुकाबला करने, राजनीतिक हिंसा को रोकने और अल्पसंख्यक अधिकारों की रक्षा के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। राजपक्षे ने इस बात पर जोर दिया कि दक्षिण एशिया में लंबे वक्त तक शांति और सामंजस्य के लिए क्षेत्रीय एकता खासी अहम है और इस संदर्भ में भारत का नेतृत्व केंद्रीय है, क्योंकि भारतीय नेतृत्व में विकास और स्थिरता पर केंद्रित समान लक्ष्यों के साथ दक्षिण एशिया समग्र रूप से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक प्रभाव डाल सकता है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश और नेपाल में आगामी चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के माध्यम से लोकतांत्रिक वैधता की पुष्टि का एक आशाजनक मौका पेश करते हैं और यह क्षेत्रीय सुरक्षा को और मजबूती देने में योगदान देगा।

ईरान में बढ़ रहा असंतोष, इंटरनेट-फोन सेवा निलंबित

खामेनेई शासन के खिलाफ प्रदर्शन

तेहरान , एजेंसी। ईरान में खामेनेई शासन के खिलाफ सड़कों पर भारी बवाल मचा हुआ है। बीते दो हफ्तों से ईरान में महंगाई और गिरती मुद्रा को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी है। राजधानी तेहरान समेत कई प्रमुख शहरों में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच झड़प हुई हैं। 50 शहरों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हो रहे हैं। अब तक इन प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में 45 लोगों की मौत की खबर सामने आ चुकी है। इधर, विरोध प्रदर्शनों के बीच ईरान ने तेहरान हवाई अड्डे को बंद कर दिया और हवाई सुरक्षा व्यवस्था को सक्रिय कर दिया है।

प्रदर्शनकारियों को अंतरराष्ट्रीय समर्थन

स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने कहा कि स्वीडन प्रदर्शनकारियों की आवाज सुनता है और उनकी स्वतंत्रता के लिए साहसी लड़ाई का समर्थन करता है। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा, ईरानी जनता एक बार फिर दमन के खिलाफ उठ खड़ी हुई है। हम उनकी आवाज सुनते हैं और स्वतंत्रता के लिए उनके साहसी संघर्ष का समर्थन करते हैं। स्वतंत्रता और बेहतर भविष्य की स्पष्ट मांगों को हिंसा और दमन से लंबे समय तक चुप नहीं कराया जा सकता।

बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने भी ईरान के प्रदर्शनकारियों की प्रशंसा की। बेल्जियम पीएम ने कहा, कई वर्षों के दमन और आर्थिक कठिनाइयों के बाद साहसी ईरानी स्वतंत्रता के लिए खड़े हो रहे हैं। वे हमारे पूर्ण समर्थन के पात्र हैं। हिंसा के माध्यम से उन्हें चुप कराना अस्वीकार्य है।

पूर्वी तेहरान में सरकारी इमारत में लगाई आग

राजधानी तेहरान के पूर्वी हिस्से में एक हिंसक घटना सामने आई। एक सरकारी इमारत में आग लगा दी गई। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में इमारत को आग की लपटों में घिरा हुआ दिखाया गया है, जबकि लोग सरकार विरोधी नारेबाजी करते नजर आ रहे हैं।

निर्वासित युवराज रजा पहलवी ने की राष्ट्रव्यापी इंटरनेटबंदी की निंदा

निर्वासित युवराज रजा पहलवी की ओर से प्रदर्शनों के आह्वान के बाद विरोध प्रदर्शन तेज होने पर ईरान ने गुरुवार रात को देशभर में इंटरनेट और अंतरराष्ट्रीय फोन सेवाएं बंद कर दीं। इंटरनेट कंपनियां क्लाउडफ्लेयर और नेटब्लॉक्स ने कहा कि यह व्यवधान सरकारी हस्तक्षेप के कारण हुआ, हालांकि ईरानी सरकारी टेलीविजन ने इसकी पुष्टि नहीं की। वहीं रजा पहलवी ने ईरानी सरकार की निंदा की है। उन्होंने सभी यूरोपीय नेताओं से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का अनुसरण करते हुए ÷ईरान के लोगों का समर्थन करने÷ और ÷शासन को जवाबदेह ठहराने÷ का आह्वान किया।

ईरानी कार्यकर्ता मसीह अलीनेजाद की वैश्विक समर्थन की अपील

प्रमुख ईरानी कार्यकर्ता और पत्रकार मसीह अलीनेजाद ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से ईरान में चल रहे विरोध प्रदर्शनों का समर्थन करने का आग्रह किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में अलीनेजाद ने जारी विरोध प्रदर्शनों और फॉक्स न्यूज पर कहा कि ईरानी जनता का संदेश स्पष्ट है। जनता इस शासन को नहीं चाहती।

डोनाल्ड ट्रंप ने दी धमकी, एयरस्पेस बंद

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार (8 जनवरी) को धमकी दी कि अगर ईरानी अधिकारी विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों को मारना शुरू करते हैं, तो वाशिंगटन उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा और चेतावनी दी कि उन्हें ÷बहुत कठोर दंड÷ दिया जाएगा। इधर खामेनेई शासन ने एयरस्पेस बंद कर दिया है।

हिंसक प्रदर्शनों में मृतकों की संख्या बढ़कर 45 हो गई

बीते दो हफ्तों से जारी विरोध प्रदर्शनों में देर रात से अचानक तेजी देखने को मिली है। प्रदर्शनों के दौरान रेजा पहलवी के समर्थन में नारे लगाए जा रहे हैं। सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ विरोध के स्वर तेज हैं। अब तक प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में 45 लोगों की मौत हुई है जबकि 2200 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। देशभर में जारी हिंसक प्रदर्शन के बीच ईरान ने तेहरान के मुख्य हवाई अड्डे को बंद कर दिया है और देश भर में हवाई रक्षा प्रणालियों को सक्रिय कर दिया है। गुरुवार रात को देशव्यापी सरकार विरोधी प्रदर्शनों में अचानक तेजी देखने को मिली है। वहीं विरोध प्रदर्शन तेज होने के बाद इंटरनेट और फोनकॉल सेवाएं बंद कर दी गई है।

ट्रंप ने मादुरो को माफ करने से किया इनकार, वेनेजुएला हमले पर यूक्रेन से तुलना को भी ठुकराया

वॉशिंगटन/काराकास, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को माफी देने से साफ इनकार कर दिया है। ट्रंप ने वेनेजुएला पर अमेरिकी कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि मादुरो ने ड्रग तस्करी गिरोह के लोगों को अमेरिका भेजा था, जिससे देश को गंभीर खतरा हुआ।

ट्रंप ने एक इंटरव्यू में कहा मादुरो को माफ नहीं किया जाएगा। यह बहुत लंबे समय तक चलने वाला ऑपरेशन है और अमेरिका वेनेजुएला में लॉन्ग टर्म लक्ष्य लेकर आया है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका वेनेजुएला के तेल का इस्तेमाल कीमतें कम करने में करेगा और काराकास को वित्तीय सहायता भी देगा। अमेरिकी प्रशासन की ओर से देश की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज के नेतृत्व वाली सरकार के साथ काम सुचारू रूप से चल रहा है। हालांकि, रोड्रिग्ज ने हाल ही में ट्रंप को 'लालची' तक कह दिया।

रूस-यूक्रेन से तुलना खारिज

वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले की तुलना रूस के यूक्रेन हमले या चीन-ताइवान विवाद से करने पर ट्रंप ने इसे खारिज कर दिया। उनका कहना था कि मादुरो ने सीधे तौर पर अमेरिका के लिए खतरा पैदा किया और यह स्थिति चीन या रूस जैसी नहीं है।

अमेरिका का टारगेटेड ऑपरेशन

3 जनवरी को अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला में एक टारगेटेड ऑपरेशन किया। इसके बाद ट्रंप ने घोषणा की कि मादुरो और उनकी पत्नी को अमेरिका ले जाया गया है। ट्रंप ने यह कार्रवाई अमेरिकी सुरक्षा के लिए जरूरी बताते हुए देश में तस्करी और अन्य खतरों का हवाला दिया।

फिलीपींस के सेबू सिटी में लैंडफिल हादसा ; कचरे का ढेर गिरने से एक की मौत, 27 से अधिक लोग लापता

मनीला , एजेंसी। फिलीपींस के मध्य क्षेत्र में स्थित सेबू सिटी में एक भयावह हादसा सामने आया है, जहां एक लैंडफिल साइट पर कचरे और मलबे का विशाल ढेर अचानक ढह गया। इस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत, सात लोग घायल, जबकि कम से कम 27 लोग लापता बताए जा रहे हैं, पुलिस ने शुक्रवार को जानकारी दी।

यह हादसा बिनालिव गांव में स्थित एक वेस्ट सेग्रेगेशन फैसिलिटी में हुआ, जहां काम कर रहे मजदूर कचरे को अलग करने में जुटे थे। अचानक हुए इस कचरा धंसान ने वहां मौजूद कई लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। पुलिस के अनुसार, राहत एवं बचाव दल ने अब तक आठ लोगों को जीवित बाहर निकाल लिया है। हालांकि, अस्पताल ले जाते समय एक महिला कर्मचारी ने दम तोड़ दिया। शेष घायलों का इलाज जारी है।

तलाशी अभियान लगातार जारी : क्षेत्रीय पुलिस निदेशक ब्रिगेडियर जनरल रोडरिक माराानन ने बताया कि तलाशी अभियान लगातार जारी है और लापता लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हादसे के वक्त वहां केवल कर्मचारी मौजूद थे या आसपास के निवासी भी प्रभावित हुए।

अब तक 12 लोगों को सुरक्षित निकाला : इस बीच, सेबू सिटी के मेयर नेस्टर आर्किवाल ने कहा कि राहत दल पूरी ताकत से खोज और बचाव कार्य में जुटे हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 12 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है, जबकि 38 लोगों के लापता होने की सूचना भी सामने आई है। आंकड़ों में अंतर को लेकर स्थिति स्पष्ट की जा रही है। मेयर ने एक फेसबुक बयान में कहा सभी आपातकालीन टीमें सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए लापता लोगों की तलाश में लगी हुई हैं। प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता दी जाएगी।

हादसे वाली जगह पर दर्जनों बचावकर्मी रातभर मलबा हटाने और लोगों को ढूंढने में जुटे रहे। बताया गया है कि जिस इमारत पर कचरे का ढेर गिरा, वह एक गोदाम था, जहां रीसायक्लिंग के लिए कचरा अलग किया जाता था।

अमेरिकी सांसद की खामेनेई को खुलेआम धमकी, बोले- ट्रंप तुम्हें मार डालेंगे, ईरान में तनाव के बीच मचा भूचाल

तेहरान/वाशिंगटन , एजेंसी। ईरान में विरोध प्रदर्शनों के बाद भारी तनाव है। इस बीच अमेरिकी सांसद लिंडसे ग्राहम ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई को ट्रंप के नाम से जान से मारने की धमकी दी है। उन्होंने ईरान के लोगों को संबोधित करते हुए अपने बयान में कहा कि हम आपके साथ हैं। ट्रंप ओबामा नहीं हैं। इसी के साथ उन्होंने खामेनेई के लिए कहा कि डोनाल्ड ट्रंप आपको मार डालेंगे।

वेनेजुएला में घुसकर अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर की गई अमेरिकी कार्रवाई ने पूरी दुनिया में भूचाल मचा दिया है। इस बीच ट्रंप लगातार ग्रीनलैंड को लेकर बयानबाजी कर रहे हैं। अब अमेरिकी नेता ने ईरान के सुप्रीम लीडर को जान से मारने की धमकी दी है। अमेरिकी सीनेटर और रिपब्लिकन नेता के लिंडसे ग्राहम ने ऐसा बयान दिया है, जिसने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में सनसनी फैला दी।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मार देंगे, अमेरिकी सांसद की धमकी : अमेरिका और ईरान के बीच पहले से ही जारी तनाव अब और बढ़ गया है। अमेरिकी रिपब्लिकन सीनेटर (सांसद) लिंडसे ग्राहम ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि अगर ईरानी अधिकारी प्रदर्शनकारियों को मारना या घायल करना जारी रखते हैं तो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप घातक कार्रवाई का सहारा ले सकते हैं। उन्होंने अपने बयान में साफ कहा कि अगर ईरानी नेतृत्व अपने ही लोगों के खिलाफ हिंसा जारी रखेगा तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उन्हें मार देंगे।

खामेनेई को बताया धार्मिक नाजी: उन्होंने खामेनेई को एक धार्मिक नाजी बताते हुए कहा कि वो एक धार्मिक नाजी है, जो अपने ही लोगों को मारता है और दुनिया को आतंकित करता है। ग्राहम ने यह टिप्पणी फॉक्स न्यूज पर अपनी मौजूदगी के दौरान कीं। जिसमें उन्होंने ईरान में चल रहे सरकार विरोधी प्रदर्शनों का जिक्र किया। द शॉन हैनिटी शो के दौरान ईरानी नागरिकों को संबोधित करते हुए ग्राहम ने कहा कि हम आज रात आपके साथ खड़े हैं।

ईरान के लोगों से कहा- मदद आ रही है : मंगलवार (7 जनवरी) दिए अपने बयान में उन्होंने कहा कि अगर तुम अपने लोगों को बेहतर जीवन की मांग पर मारते रहे, तो डोनाल्ड जे. ट्रंप तुम्हें मार देंगे। अयातुल्ला और उसके गुंडों, अगर तुम ट्रंप की चेतावनी को चुनौती देते रहे, तो तुम सुबह मरे हुए पाए जाओगे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को आश्वस्त करते हुए यह भी कहा कि मदद आ रही है।

हमले की आशंका के बीच ट्रंप को डेनमार्क ने दी चेतावनी

कोपेनहेगन , एजेंसी। डेनमार्क ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ग्रीनलैंड को लेकर एक कड़ी चेतावनी दी है। डेनमार्क के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि अगर किसी भी शक्ति द्वारा ग्रीनलैंड पर हमला किया जाता है तो उसके सैनिक पहले गोली चलाएंगे और बाद में सवाल पूछेंगे यानी बिना किसी अनुमति या आदेश का इंतजार किए तुरंत जवाबी कार्रवाई करेंगे। यह आदेश 1952 के ठंडे युद्ध के नियमों के तहत है, जो किसी भी विदेशी आक्रमण के जवाब में तुरंत प्रतिरोध की आवश्यकता को कहता है। डेनिश रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह 1952 का आदेश अब भी लागू है और इसका उद्देश्य किसी भी संभावित आक्रमण के मामले में तुरंत जवाब देना है। मंत्रालय ने कहा कि नियम के तहत सैनिकों को ऊपर के आदेश का इंतजार नहीं करना होगा, बल्कि हमले की स्थिति में तुरंत युद्ध में उतरना होगा।

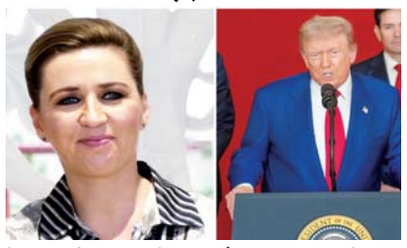

अमेरिका ग्रीनलैंड पर करना चाहता है नियंत्रण : ग्रीनलैंड आर्कटिक क्षेत्र में स्थित एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्वायत्त क्षेत्र है, जो डेनमार्क के शासन में आता है। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण बताया है और यह बात सामने आई है कि अमेरिका ग्रीनलैंड पर नियंत्रण हासिल करने के विकल्पों पर विचार कर रहा है, जिसमें सैन्य शक्ति का उपयोग भी शामिल हो सकता है।

नाटो सदस्य का ग्रीनलैंड को समर्थन : इस चेतावनी के बीच यूरोपीय देशों में चिंता बढ़ी है। फ्रांस, जर्मनी और अन्य नाटो सदस्य ग्रीनलैंड की संप्रभुता का समर्थन कर रहे हैं और अमेरिका को सामूहिक रूप से स्थिति को शांत करने की अपील कर रहे हैं। फ्रांस के विदेश मंत्री ने कहा है कि यूरोपीय साझेदारों के साथ मिलकर प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता है। हालांकि अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि वह बातचीत और कूटनीतिक उपायों के लिए तैयार है, पर ट्रंप के आक्रामक रुख ने यूरोपीय नेताओं में बेचैनी पैदा कर दी है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने भी स्पष्ट किया है कि ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है और किसी भी प्रकार के आजमाए गए कब्जे को खंडित कर दिया जाएगा।

ट्रंप को डेनमार्क ने दी चेतावनी : डेनमार्क की पीएम ने साफ शब्दों में ट्रंप से कहा, डेनमार्क साम्राज्य और ग्रीनलैंड नाटो का हिस्सा हैं। इसकी वजह से यह गठबंधन की सुरक्षा गारंटी के तहत आता है। डेनमार्क और अमेरिका के बीच पहले से ही एक रक्षा समझौता है, जो अमेरिका को ग्रीनलैंड तक व्यापक पहुंच प्रदान करता है। उन्होंने कहा, इसी आधार पर मैं अमेरिका से आग्रह करती हूं कि वह ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठ सहयोगी और एक ऐसे देश और लोगों के खिलाफ धमकियां देना बंद करे, जिन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि वे बिकने वाले नहीं हैं।

शांति का संकेत या दबाव में वेनेजुएला की सरकार, जानें राजनीतिक कैदियों की रिहाई के क्या मायने

काराकास , एजेंसी। अमेरिका द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति को बंधक बनाने के बाद से वहां के हालात ठीक नहीं है। फिलहाल राष्ट्रपति का कार्यभार डेल्सी रोड्रिगेज संभाल रही हैं। वो वहां की अंतरिम राष्ट्रपति चुनी गई हैं। यहां के सियासी हालात एक बार फिर चर्चा में हैं। सरकार ने बड़ी संख्या में राजनीतिक कैदियों को रिहा करने का एलान किया है। इस फैसले को सरकार शांति बनाए रखने की एकतरफा पहल बता रही है, लेकिन इसे विपक्ष और अमेरिका के दबाव से जोड़कर भी देखा जा रहा है।

वेनेजुएला की संसद के प्रमुख जॉर्ज रोड्रिगेज ने गुरुवार को कहा कि सरकार महत्वपूर्ण संख्या में कई राजनीतिक कैदियों को रिहा कर रही है। इसमें वेनेजुएला के नागरिकों के साथ-साथ विदेशी कैदी भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह कदम देश में शांति, स्थिरता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को मजबूत करने के लिए उठाया गया है। उनके मुताबिक, कैदियों की रिहाई की प्रक्रिया इसी समय से शुरू हो चुकी है।

नई सरकार का रुख और संकेत : यह घोषणा नई राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज की सरकार के पहले बड़े राजनीतिक फैसलों में गिनी जा रही है। माना जा रहा है कि यह फैसला अभिव्यक्ति की आजादी की दिशा में शुरुआती संकेत हो सकता है। हालांकि सरकार ने साफ किया है कि यह किसी दबाव में नहीं, बल्कि शांति बनाए रखने के लिए उठाया गया एकतरफा कदम है।

मादुरो दौर की गिरफ्तारियां : मानवाधिकार संगठनों के अनुसार, वेनेजुएला में इस समय 800 से 900 के बीच राजनीतिक कैदी हैं। इनमें से ज्यादातर गिरफ्तारियां पूर्व राष्ट्रपति मादुरो के शासनकाल में हुई थीं। हाल ही में मादुरो को अमेरिकी बलों द्वारा पकड़े जाने के बाद देश की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। इसी पृष्ठभूमि में कैदियों की रिहाई को अहम माना जा रहा है।

अमेरिका, विपक्ष और परिवारों का दबाव

वेनेजुएला में बीते वर्षों में कई अमेरिकी नागरिकों को भी जेल में रखा गया था। जनवरी 2025 में छह अमेरिकी नागरिकों को रिहा किया गया था, जब मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष दूत रिचर्ड ग्रेनेल ने काराकास में बातचीत की थी। लंबे समय से कैदियों के परिवार और विपक्षी समूह रिहाई की मांग कर रहे थे और इस मुद्दे पर यूएस सरकार पर भी दबाव बनाया जा रहा था। हालांकि मादुरो पर ट्रंप की कार्रवाई के बाद से यहां के हालात बदल चुके हैं।

नहीं चलेगी मनमानी ! 66 संगठनों से अमेरिका की दूरी पर यूएन ने कहा- जिम्मेदारी से नहीं बच सकता यूएस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बड़े और चौंकाने वाले फैसले ने वैश्विक कूटनीति में हलचल मचा दी है। अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र से जुड़े 31 निकायों समेत कुल 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों और पहलों से खुद को अलग करने का ऐलान किया है। इस पर संयुक्त राष्ट्र ने साफ कहा है कि अमेरिका पर यूएन एजेंसियों को फंड देने की कानूनी जिम्मेदारी बनी हुई है।

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने ट्रंप के फैसले पर खेद जताया है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के नियमित बजट और शांति मिशनों के लिए सदस्य देशों द्वारा दी जाने वाली राशि कोई विकल्प नहीं, बल्कि यूएन चार्टर के तहत कानूनी दायित्व है। उनके प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने स्पष्ट किया कि अमेरिका सहित सभी सदस्य देशों पर यह जिम्मेदारी लागू होती है।

किस तरह का फैसला लिया गया

राष्ट्रपति ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों और मंचों से अमेरिकी समर्थन निलंबित कर दिया है। इनमें 35 गैर-यूएन संगठन और 31 संयुक्त राष्ट्र से जुड़े निकाय शामिल हैं। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि ये संस्थाएं अमेरिकी राष्ट्रीय हितों के खिलाफ काम कर रही हैं और वोक एजेंडे को बढ़ावा देती हैं। व्हाइट हाउस की सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस फैसले की जानकारी दी गई, जबकि यूएन को इसकी कोई औपचारिक सूचना नहीं दी गई।

जलवायु संस्थानों पर असर

इस फैसले का सबसे गहरा असर पर्यावरण और जलवायु से जुड़े वैश्विक संगठनों पर पड़ा है। अमेरिका ने इंटरनेशनल सोलर एलायंस, इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज, इंटरनेशनल रिन्यूएबल एनर्जी एजेंसी और यूएन फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज से भी दूरी बना ली है। जलवायु संधियों से हटने का यह कदम अप्रत्याशित नहीं माना जा रहा, क्योंकि ट्रंप पहले भी पेरिस जलवायु समझौते से अमेरिका को बाहर कर चुके हैं।

संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी

संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि जिन एजेंसियों से अमेरिका हट रहा है, वे अपना काम जारी रखेंगी। यूएनएफसीसीसी के प्रमुख साइमन स्टील ने चेतावनी दी है कि अमेरिका के इस फैसले से उसकी अर्थव्यवस्था, रोजगार और जीवन स्तर को नुकसान होगा, क्योंकि जलवायु संकट तेजी से गंभीर होता जा रहा है। हालांकि यूएन ने यह भी कहा है कि भविष्य में अमेरिका के लिए दोबारा लौटने के दरवाजे खुले रहेंगे।

ट्रंप के फैसले पर एक नजर

अमेरिका ने वैश्विक कूटनीति के मोर्चे पर एक बड़ा कदम उठाते हुए 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों, संधियों और मंचों से हटने का आदेश दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हस्ताक्षरित ज्ञापन के अनुसार, अमेरिका उन संस्थाओं से दूरी बना रहा है, जो उसके मुताबिक राष्ट्रीय हितों के खिलाफ हैं।

इस फैसले में 35 गैर-यूएन संगठन और 31 संयुक्त राष्ट्र से जुड़े निकाय शामिल हैं। इनमें पर्यावरण, जलवायु, ऊर्जा, श्रम, प्रवासन और सामाजिक विकास से जुड़े कई अहम वैश्विक मंच हैं। संयुक्त राष्ट्र पॉपुलेशन फंड, यूएन वाटर, यूएन एनर्जी और इंटरनेशनल ट्रेड सेंटर जैसे संगठनों पर भी इसका असर पड़ेगा। आदेश में सभी अमेरिकी विभागों को तत्काल प्रभाव से फंडिंग और भागीदारी खत्म करने की प्रक्रिया शुरू करने को कहा गया है। इससे पहले भी ट्रंप प्रशासन विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनेस्को से अमेरिका को बाहर कर चुका है।

आज से शुरु हो रही तीन वनडे मैचों की सीरीज में कोहली और रोहित आकर्षण का केंद्र

वडोदरा (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार से तीन वनडे मैचों की सीरीज शुरुआत हो रही है। सीरीज का पहला मैच वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में होगा। इस मैच में विराट कोहली और रोहित शर्मा की शानदार जोड़ी देखने को मिलेगी। न्यूजीलैंड की टीम नए और युवा खिलाड़ियों की भरमार है, लेकिन पूरी ताकत के साथ उतर रही भारतीय टीम के लिए रोहित और कोहली के नजरिये से सीरीज अहम है। अगले महीने वाली टी20 विश्व कप के कारण वनडे सीरीज की अहमियत थोड़ी कम है, लेकिन अगले सात दिनों में होने वाले तीन वनडे मैचों में कोहली और रोहित आकर्षण का केंद्र रहने वाले है।

दोनों दिग्गजों को हाल ही में विजय हजारे ट्रॉफी के लीग चरण में अच्छा मैच अभ्यास मिला है। उन्होंने इस घरेलू टूर्नामेंट में बड़े स्कोर बनाकर बता दिया हैं कि उनका दौर अभी खत्म नहीं हुआ है। यह देखना दिलचस्प होगा कि टी20 विश्व कप टीम से बाहर होने के बाद कप्तान शुभमन गिल कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। उनकी फॉर्म पहले से ही चिंता का विषय रही है, वहीं पिछले साल के अंत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में वे चोट के कारण बाहर रहे थे। गिल की वापसी से यशस्वी जायसवाल को शीर्ष क्रम से बाहर बैठना पड़ सकता है। जायसवाल ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में अपना पहला वनडे शतक जमाया था।

वहीं श्रेयस अय्यर की वापसी से बल्लेबाजी क्रम में चल रहे प्रयोगों पर विराम लग सकता है। क्योंकि श्रेयस का चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करना लगभग तय है। केएल राहुल की निचले क्रम के बल्लेबाज और विकेटकीपर के रूप में भूमिका जारी रहने से ऋषभ पंत के अंतिम एकादश में शामिल होने की संभावना कम होती दिख रही है। अय्यर, पंत और मोहम्मद सिराज विजय हजारे ट्रॉफी में व्यस्तता के कारण वनडे टीम की यहां चल रही तैयारियों का हिस्सा नहीं थे, लेकिन रविंद्र जडेजा ने पूरे दमखम के साथ अभ्यास किया। जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को आराम दिया गया है। इसके बाद तेज गेंदबाजी का दारोमदार मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा पर होगा। कुलदीप यादव, वॉशिंगटन सुंदर और जडेजा स्पिन विभाग की जिम्मेदारी संभालने वाले है। शाम की ओस और सपाट पिचों की प्रकृति को देखकर प्रारूप में आक्रामक विकेट लेने की बजाय रन रोकने पर अधिक जोर रहेगा।

पहली बार कोटाम्बी में खेलने उतरेगी टीम इंडिया

इसके पहले यह मैदान भारत और वेस्टइंडीज के बीच महिला वनडे सीरीज की मेजबानी कर चुका है। न्यूजीलैंड के लिए पिछले साल चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत से मिली हार का खास महत्व नहीं है, क्योंकि यह श्रृंखला और दूसरे दर्जे के खिलाड़ियों को परखने का अच्छा मौका है। टीम 2024-25 में भारत दौरे पर टेस्ट श्रृंखला में मिली 3-0 की ऐतिहासिक जीत की योजना को वनडे सीरीज में भी आजमाना चाहेगी। कई प्रमुख खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में माइकल ब्रेसवेल टीम की अगुवाई कर रहे है। नियमित कप्तान मिचेल सैंटनर ग्रोइन इंजरी के कारण वनडे सीरीज से बाहर हैं, जबकि टॉम लाथम अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए स्वदेश लौट गए हैं। रचिन रवींद्र और तेज गेंदबाज जैकब डफी को आराम दिया गया है. पिंडली की चोट से वापसी कर रहे मैट हेनरी टी20 विश्व कप को ध्यान में रखकर टी20 सीरीज पर ध्यान दे रहे है। इस दौरान लंबे कद के हरफनमौला काइल जैमीसन और 23 वर्षीय लेग स्पिनर आदित्य अशोक के प्रदर्शन पर भी नजरें रहेंगी।

टीमें

भारत: शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड: माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), डेवोन कॉन्वे (विकेटकीपर), मिचेल हे (विकेटकीपर), निक केली, हेनरी निकोल्स, विल यंग, जोश क्लार्कसन, जैक फॉल्क्स, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, आदित्य अशोक, क्रिस्टियन क्लर्क, काइल जैमीसन, जेडन लेनॉक्स, माइकल रे. मैच दोपहर 1:30 बजे (भारतीय समय) शुरू होगा।

मलेशिया ओपन से पीवी सिंधु बाहर, चीन की वांग ने 16-21, 15-21 से हराया

कुआलालम्पुर (एजेंसी)। क्वालालंपुर,(ईएमएस)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु मलेशिया ओपन से बाहर हो गई हैं। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में उन्हें दुनिया की नंबर-2 खिलाड़ी चीन की वांग झियी ने 16-21, 15-21 से हरा दिया। सिंधु दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट वांग झियी के खिलाफ दबाव नहीं बना सकीं। पैर की चोट से उबरने के बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेल रही पीवी सिंधु ने दूसरे गेम में 11-6 की बढ़त भी गंवा दी। हार के साथ ही टूर्नामेंट में उनके सफर का निराशाजनक अंत हो गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीवी सिंधु ने वांग झियी को मुकाबले की शुरुआत में कड़ी टक्कर दी। उन्होंने जोरदार शॉट लगाए और अपने खास क्रॉस-कोर्ट स्मैश लगाकर 5-2 की बढ़त बना ली, लेकिन वांग के हल्के टच ने उन्हें लगातार अंक दिलाकर बराबरी पर ला दिया। पहले गेम में एक समय सिंधु 9-7 से आगे चल रही थीं, लेकिन चीनी खिलाड़ी वांग ने एक बार फिर वापसी की और इंटरवल पर सिंधु के नेट पर शॉट चूकने पर एक अंक की बढ़त बना ली। मैच फिर से शुरू होने के बाद स्कोर एक समय 13-13 से बराबर था। 15-14 पर, वांग ने लगातार आक्रामक शॉट्स से दबाव बढ़ाया। वह 18-14 पर पहुंच गईं, एक जबरदस्त रैली में एक अंक गंवाया, फिर चार गेम अंक हासिल किए और ओपनर खत्म किया क्योंकि सिंधु वाइड चली गईं।

दूसरे गेम में सिंधु दो गलतियों के बाद 1-3 पर फिसल गईं, लेकिन उन्होंने वापसी की और 6-3 से आगे निकलने के लिए जोरदार रैली बनाई। वांग ने अंतर कम किया, फिर भी सिंधु ने बीच के समय में अपनी विरोधी खिलाड़ी को तेज एंगल से कोनों की ओर धकेलकर अपना दबदबा बनाया, जिससे ब्रेक तक 11-6 की बढ़त हो गई। वांग ने दोबारा गेम शुरू होने के बाद जोरदार वापसी की, तेज रैलियों में हिस्सा लिया, लेकिन सिंधु ने परफेक्ट नेट शॉट्स से जवाब दिया और 13-9 से आगे रहीं। वांग ने फिर वापसी की जब सिंधु के शॉट्स बाहर और नेट में चले गए और 13-13 से बराबरी कर ली। इसके बाद 16-13 की बढ़त के साथ वांग झियी ने मैच अपने नाम कर लिया।

डब्ल्यूपीएल 2026 की धमाकेदार शुरुआत, हार में भी इतिहास रच गईं हरमनप्रीत कौर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस को वुमेंस प्रीमियर लीग 2026 के पहले ही मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के हाथों रोमांचक हार झेलनी पड़ी, लेकिन इस मुकाबले में एमआई की कप्तान ने एक बड़ी व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल कर ली। नवी मुंबई में खेले गए इस मुकाबले में हरमनप्रीत कौर ने 20 रन बनाए और इसी के साथ वह डब्ल्यूपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बैटर बन गईं। उन्होंने इस सूची में शेफाली वर्मा को पीछे छोड़ते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया।

हरमनप्रीत कौर के नाम अब डब्ल्यूपीएल में कुल 871 रन दर्ज हो गए हैं, जबकि शेफाली वर्मा 865 रनों के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गई हैं। इस उपलब्धि के साथ हरमनप्रीत ने एक बार फिर साबित किया कि वह बड़े मंच की खिलाड़ी हैं, भले ही उनकी टीम को इस मैच में जीत न मिल सकी। भारतीय बल्लेबाजों की इस सूची में स्मृति मंधाना तीसरे पायदान पर मौजूद हैं। मंधाना अब तक डब्ल्यूपीएल में 664 रन ही बना पाई हैं और इस मुकाबले में भी उनका बल्ला खामोश रहा। वह 18 रन बनाकर आउट हो गईं।

अगर वुमेंस प्रीमियर लीग के ओवरऑल रिकॉर्ड की बात करें तो सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड मुंबई इंडियंस की ही नैट साइवर-ब्रंट के नाम है। वह डब्ल्यूपीएल की एकमात्र बैटर हैं, जिन्होंने 1000 रन का आंकड़ा पार किया है। उनके नाम 1031 रन दर्ज हैं। इस सूची में दूसरे स्थान पर ऐलिस पैरी हैं, जिन्होंने 972 रन बनाए हैं, जबकि तीसरे नंबर पर मैग लेनिंग मौजूद हैं, जिनके नाम 952 रन हैं। हरमनप्रीत कौर चौथे और शेफाली वर्मा पांचवें स्थान पर काबिज हैं।

आरसीबी ने वूमेंस प्रीमियर लीग 2026 में जीत के साथ की शुरुवात... लेकिन पूजा वस्त्राकर हुई चोटिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। वूमेंस प्रीमियर लीग 2026 के पहले मैच में स्मृति मंधाना की कप्तानी वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जीत के साथ शुरुआत की। टूर्नामेंट का ये पहला मैच मुंबई इंडियंस के साथ था। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला अंतिम ओवर तक गया, जहां नादिन डी क्लेर्क ने दमदार खेल दिखाकर आरसीबी को जीत दिलाई। हालांकि, इस जीत के साथ ही आरसीबी को एक बड़ा झटका भी लगा है। दरअसल टीम की स्टार खिलाड़ी पूजा वस्त्राकर चोटिल हुई हैं। पूजा वस्त्राकर को हैमस्ट्रिंग इंजरी हुई है।

इसके बाद उन्हें पूरी तरह से रिकवर में होने में करीब दो सप्ताह का समय लगेगा। इस तरह पूजा अब लगभग आधे सीजन के लिए बाहर हो गई हैं। बता दें कि पूजा को आरसीबी ने इस बार के ऑक्शन में 85 लाख रुपए खर्च कर अपने स्क्वाड में शामिल किया है। पिछले सीजन में पूजा मुंबई इंडियंस की टीम में शामिल थीं। हालांकि, फ्रेंचाइजी ने उन्हें रिटेन नहीं किया। पूजा मुंबई के लिए तीन सीजन में खेली हैं।

पूजा वस्त्राकर के वूमेंस प्रीमियर लीग में अब तक कुल 16 मैचों में मैदान पर उतरी हैं। इसमें उन्होंने गेंदबाजी में 28.85 की औसत से 7 विकेट हासिल की हैं। पूजा सर्वश्रेष्ठ बॉलिंग 14 रन देकर 2 विकेट लेने का है। इसके अलावा बल्लेबाजी में पूजा ने 16 मैचों में 116.66 की स्ट्राइक रेट से 126 रन बनाए। हालांकि, उनके ये आंकड़े कुछ खास प्रभावी नहीं हैं, लेकिन पूजा किसी टीम के लिए एक एक्स फैक्टर ऑलराउंडर मानी जाती हैं।

वहीं भारतीय टीम में पूजा को अब तक 5 टेस्ट, 33 वनडे और 72 टी20 में खेलने का मौका मिला है। टेस्ट क्रिकेट में पूजा ने टीम इंडिया के लिए 15 विकेट हासिल किए हैं। वहीं वनडे क्रिकेट में पूजा ने कुल 27 विकेट अपने नाम किए हैं, जबकि टी20 में उन्होंने 58 विकेट झटके हैं।

चीनी खिलाड़ी विजेझेंग ऑस्ट्रेलियाई ओपन नहीं खेलेंगी

बीजिंग ।ओलंपिक पदक विजेता चीन की महिला टेनिस खिलाड़ी विजेझेंग किनवेन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन से नाम वापस ले लिया है। किनवेन ने कहा है कि वह अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण टूर्नामेंट से हटी हैं। विजेझेंग ने कहा कि खेल से बाहर रहने का फैसला कठिन था पर उन्होंने ये फैसला मेडिकल टीम की सलाह के आधार पर लिया है। झेंग ने हालांकि कहा कि वह पहले से बेहतर हैं और उनकी रिकवरी अच्छी तरह से हो रही है पर ग्रैंड स्लैम में प्रतिस्पर्धा करने का स्तर काफी ऊंचा होता है और उसमें अभी वह फिट नहीं बैठती हैं। उन्होंने कहा, मैं अभी तक उस सर्वश्रेष्ठ स्थिति में नहीं पहुंची हूं जो होनी चाहिये। विजेझेंग ने कहा, मेलबर्न मेरी भाग्यशाली जगह है, जहां मैंने अपना पहला ग्रैंड स्लैम मेन ड्रॉ मैच जीता और जहां मुझे अपना सबसे अच्छा अनुभव मिला। मेरा इस जगह से एक खास रिश्ता है, और मैं मेलबर्न में अपना नया सत्र शुरू करने के लिए उत्साहित थी। गौरतलब है कि विजेझेंग साल 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंची। हालांकि तब उसे आर्यना सबालेंका के हाथों र का सामना करना पड़ा था ।पिछले जुलाई में उनकी कोहनी की सर्जरी हुई थी जिसके बाद से ही वह खेल से दूर हैं ।इस खिलाड़ी ने चाइना ओपन में वापसी की थी पर वहां उनकी चोट उबर गयी थी जिसके बाद से ही वह खेल से दूर थीं।

एशेज में जीत के पीछे बेहतर फील्डिंग की भी भूमिका रही : स्मिथ

सिडनी ।ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान स्टीव स्मिथ ने एशेज सीरीज में टीम की जीत के लिए अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी के साथ ही टीम की फील्डिंग को भी श्रेय दिया। पैट कमिंस के फिट नहीं होने के कारण इस सीरीज में अधिकतर समय स्मिथ ने ही कप्तानी की थी। स्मिथ ने अंतिम टेस्ट मैच की सिडनी पिच की भी प्रशंसा की और कहा कि इसमें इसी के लिए कुछ न कुछ था। साथ ही कहा कि पिछले एक दशक में उन्होंने ये पिच सबसे अच्छी लगी। स्मिथ ने कहा, विकेट के बारे में मुझे लगता है कि पिछले 15 सालों में यहां खेलते हुए मैंने जितनी पिचें देखी हैं, उनमें से यह सबसे अच्छी है। मुझे लगता है कि इस पर सभी के लिए कुछ न कुछ था। नई गेंद थोड़ी काम कर रही थी। अगर आप अच्छी बल्लेबाजी करते और खुद को संभालते, तो आप रन बना सकते थे। स्मिथ को यह भी लगा कि सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की फील्डिंग शानदार थी और इससे भी परिणमा में अंतर आया। स्मिथ ने कहा, मुझे लगता है कि हमारी फील्डिंग भी शानदार थी। मुझे लगा कि हमने जिस तरह से कैच पकड़े, वह इंग्लैंड से बेहतर थे। इससे भी परिणाम में अंतर आया। स्मिथ एशेज सीरीज में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। इस शानदार बल्लेबाज ने चार मैचों और 8 पारियों में 57.20 की शानदार औसत से 286 रन बनाए।

गावस्कर ने निभाया वादा, महिला क्रिकेटर जेमिमा को गिफ्ट किया गिटार, गाना भी गाया

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स को भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने एक गिटार गिफ्ट किया है। गिटार खास है और निश्चित रूप से इस उपहार को जेमिमा ताउम्र याद रखेंगी। गावस्कर ने जेमिमा रोड्रिग्स को बैट के आकार का गिटार गिफ्ट किया है। जब जेमिमा ने गिफ्ट खोला, तो वह बहुत खुश दिख रही थीं, वह बैट के आकार के गिटार की कारीगरी की तारीफ कर रही थीं। दोनों ने एक साथ ये दोस्ती गाना गाया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गावस्कर द्वारा जेमिमा को बल्ले के आकार का गिटार दिए जाने का किस्सा महिला विश्व कप से जुड़ा हुआ है। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यादगार शतक लगाकर जेमिमा ने भारत को रिकॉर्ड जीत दिलाई थी। इस जीत के बाद गावस्कर ने उनसे कहा था कि अगर भारतीय टीम खिताब जीतती है, तो वह उनके साथ गाना गाएंगे। सुनील गावस्कर ने अपने उसी वादे को निभाया है। जेमिमा ने मुस्कुराते हुए कहा कि वह सुनील सर का इंतजार कर रही थीं कि वह अपनी बात मानें। अपनी प्रतिष्ठा के मुताबिक उन्होंने निराश नहीं किया। युवा क्रिकेटर ने सुनील गावस्कर से पूछा कि बल्ले के आकार का गिटार बजाने के लिए है या बल्लेबाजी के लिए। इस पर गावस्कर ने कहा कि वह दोनों कर सकती हैं। जेमिमा ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा- सुनील सर ने अपना वादा निभाया और हमने अब तक के सबसे कूल बैट-आर के साथ जैमिंग की। यह एक स्पेशल था। बता दें सुनील गावस्कर और जेमिमा दोनों ही संगीत के शौकीन हैं। जेमिमा को अक्सर गाना गाते हुए भी देखा जाता है। हाल ही में क्रिकेटरों के सम्मान में मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में भी उन्होंने गाना गाया था।

भारत-बांग्लादेश तनाव का असर क्रिकेट पर, भारतीय कंपनी एसजी ने बांग्लादेशी खिलाड़ियों से तोड़ा करार

ढाका (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच बढ़ते कूटनीतिक और खेल संबंधी तनाव का असर अब सीधे क्रिकेट और उससे जुड़ी स्पॉन्सरशिप पर दिखाई देने लगा है। आईपीएल से बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बाहर किए जाने के बाद अब बांग्लादेशी क्रिकेटरों को एक और बड़ा झटका लगा है। भारत की जानी-मानी स्पोर्ट्स इक्विपमेंट निर्माता कंपनी 'एसजी' ने बांग्लादेश के शीर्ष क्रिकेटरों के साथ अपने स्पॉन्सरशिप अनुबंध को आगे न बढ़ाने का फैसला किया है।

सूत्रों के मुताबिक, एसजी अब बांग्लादेश टीम के कप्तान लिटन दास, यासिर रब्बी और पूर्व कप्तान मोमिनुल हक के साथ अपना करार समाप्त करने जा रही है। हालांकि कंपनी की ओर से इस फैसले की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन खिलाड़ियों के एजेंट्स को इस बारे में सूचित कर दिया गया है। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स में एक क्रिकेटर के हवाले से कहा गया है कि आने वाले दिनों में यह फैसला औपचारिक रूप ले सकता है। इस घटनाक्रम को बांग्लादेश की खेल इंडस्ट्री के लिए चिंता का संकेत माना जा रहा है। माना जा रहा है कि एसजी के इस कदम के बाद अन्य अंतरराष्ट्रीय और भारतीय कंपनियां भी बांग्लादेशी क्रिकेटरों को स्पॉन्सर करने से पीछे हट सकती हैं। प्लेयर स्पॉन्सरशिप से जुड़े सूत्रों का कहना है कि मौजूदा हालात को देखते हुए कई ब्रांड जोखिम लेने से बचना चाहेंगे, जिसका सीधा असर खिलाड़ियों की आय और बांग्लादेश क्रिकेट के व्यावसायिक ढांचे पर पड़ेगा।

दोनों देशों के बीच तनाव की शुरुआत उस समय हुई, जब आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स ने बीसीसीआई के निर्देश पर मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज कर दिया। इसके बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए आईसीसी से अनुरोध किया था कि भारत में होने वाले बांग्लादेश के मैचों को किसी अन्य देश, विशेषकर श्रीलंका, में स्थानांतरित किया जाए। हालांकि आईसीसी ने इस अनुरोध को खारिज कर दिया और स्पष्ट किया कि टी20 विश्व कप 2026 के लिए बांग्लादेश टीम को भारत आना होगा तथा खिलाड़ियों की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी बीसीसीआई की होगी। इस पूरे विवाद की पृष्ठभूमि में बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की घटनाओं का मुद्दा भी जुड़ा हुआ है। इन्हीं घटनाओं के चलते भारत में मुस्तफिजुर रहमान के आईपीएल में खेलने को लेकर विरोध हुआ था। विरोध बढ़ने के बाद बीसीसीआई के निर्देश पर उन्हें रिलीज किया गया, जिससे दोनों क्रिकेट बोर्ड आमने-सामने आ गए।

श्रेयस अय्यर का डाग लव... पड़ जाता उनके क्रिकेट कैरियर पर भारी

नई दिल्ली ।भारत के वनडे कप्तान श्रेयस अय्यर टीम इंडिया में वापसी को तैयार हैं। अय्यर रविवार, 11 जनवरी से शुरू हो रहे तीन वनडे मैचों की सीरीज में टीम इंडिया के लिए मैदान पर उतरने वाले है। पहले वनडे के लिए अय्यर वडोदरा पहुंचे गए, लेकिन यहां पर उनके साथ एक हादसा होते-होते बच गया। दरअसल अय्यर जब एयरपोर्ट से निकल रहे थे, तब उन पर एक कुत्ते ने हमला कर दिया। हुआ यूं कि जब अय्यर एयरपोर्ट से निकलकर जब अपनी कार की तरफ बढ़ रहे थे, तब रास्ते में कुछ फैंस उनके ऑटोग्राफ और सेल्फी की मांग करने लगे। तभी एक महिला फैन भी अपनी गोद में एक छोटे से कुत्ते को लेकर खड़ी थीं। यह देखकर अय्यर ने उस पमेरियन को देखकर पुचकारने के लिए अपना हाथ बढ़ाया कि तभी उनसे झपट्टा मार दिया। लेकिन गनीमत ये रही कि अय्यर ने फौरन अपने हाथ को पीछे खींचा और आगे बढ़ गए। इस तरह श्रेयस अय्यर डॉग बाइट से बाल-बाल बचे गए। बता दें कि अय्यर को पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चोट लगी थी। उन्हें ये चोट कैच लेने के प्रयास में लगी, जिसके कारण उनकी पसलियां फ्रैक्चर हो गया था। इंटरनल ब्लिडिंग होने के कारण उन्हें ऑस्ट्रेलिया में अस्पताल में एडमिट कराना पड़ा था, जिसके बाद उनकी सर्जरी की गई। सर्जरी के बाद वह लंबे समय के लिए बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब पर रहे। इसकारण साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी नहीं खेल पाए थे।

सेमीफाइनल में कोको गॉफ ने नंबर 2 खिलाड़ी इगा स्वियातेक को हराया

सिडनी। यूनाइटेड कप के सेमीफाइनल में अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने बड़ा उलटफेर करते हुए दुनिया की नंबर-2 खिलाड़ी इगा स्वियातेक को 6-4, 6-2 से शिकस्त दी। इस जीत के साथ गॉफ ने अमेरिका और पोलैंड के बीच खेले जा रहे सेमीफाइनल मुकाबले को 1-1 की बराबरी पर ला खड़ा किया और अब मुकाबले का फैसला मिक्स्ड डबल्स से होगा।

गॉफ का स्वियातेक पर दबदबा बरकरार-फ्रेंच ओपन चैंपियन और विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज गॉफ की यह स्वियातेक पर लगातार चौथी जीत रही। इससे पहले पुरुष एकल मुकाबले में पोलैंड के ह्यूबर्ट हर्काच ने अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज़ को कड़े मुकाबले में 7-6 (1), 7-6 (2) से हराकर पोलैंड को शुरुआती बढ़त दिलाई थी।

अब निर्णायक मुकाबले में गॉफ और क्रिश्चियन हैरिसन की जोड़ी पोलैंड की स्वियातेक और हर्काच के खिलाफ मिक्स्ड डबल्स खेलेगी। इस मुकाबले की विजेता टीम रविवार को होने वाले फाइनल में स्विट्ज़रलैंड से भिड़ेगी।

स्विट्ज़रलैंड ने बेल्जियम को हराकर फाइनल में बनाई जगह-दूसरे सेमीफाइनल में स्विट्ज़रलैंड ने बेल्जियम को मिक्स्ड डबल्स में हराकर फाइनल का टिकट कटाया। निर्णायक मुकाबले में बेलिंडा बेनसिच और याकूब पॉल ने एलिस मर्टेंस और जिजू बर्ग्स को 6-3, 0-6, 10-5 से मात दी। बेनसिच इस टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने अब तक अपने सभी चार एकल मुकाबले और चार मिक्स्ड डबल्स मैच जीते हैं। कम अनुभव के बावजूद याकूब पॉल ने दबाव में शानदार डाउन-द-लाइन विनर्स लगाकर टीम को जीत दिलाई। बेनसिच ने कहा, 'वह बेहद साहसी हैं, यह अविश्वसनीय है। मैं उनसे खेलने को कहती हूं और वह सच में खेलने चले जाते हैं।

बेनसिच की दमदार वापसी, वावरिंका को मिली हार-इससे पहले बेनसिच ने एलिस मर्टेंस को 6-3, 4-6, 7-6 (0) से हराकर स्विट्ज़रलैंड को बढ़त दिलाई। वहीं, अपने करियर के अंतिम सत्र में खेल रहे स्टैन वावरिंका को जिजू बर्ग्स के हाथों 6-3, 6-7 (4), 6-3 से हार का सामना करना पड़ा। तीसरे सेट में आठवें गेम में ब्रेक निर्णायक साबित हुआ।

नीरज चोपड़ा ने लिया बड़ा फैसला, कोच जान जेलेज्नी से नाता तोड़ा

नई दिल्ली(एजेंसी)। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता और भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने चेक गणराज्य के दिग्गज कोच जान जेलेज्नी के साथ अपनी साझेदारी एक ही सत्र के बाद समाप्त करने की घोषणा की है। चोपड़ा ने करार खत्म करने की कोई ठोस वजह नहीं बताई, लेकिन कहा कि यह सफर 'प्रगति, सम्मान और खेल के प्रति साझा लगाव' से भरा रहा।

जान जेलेज्नी, जिनके नाम भाला फेंक का विश्व रिकॉर्ड दर्ज है, के मार्गदर्शन में नीरज चोपड़ा ने पिछले साल अपने करियर में पहली बार 90 मीटर का आंकड़ा पार किया था। चोपड़ा ने इस अनुभव को यादगार बताते हुए कहा कि बचपन के अपने आदर्श से प्रशिक्षण लेना किसी सपने के पूरे होने जैसा था। इससे उन्हें अभ्यास, तकनीक और खेल को देखने का एक बिल्कुल नया नजरिया मिला।

नीरज ने कहा, 'जान जेलेज्नी के साथ काम करने से मुझे कई नए विचार मिले। वह तकनीक, लय और मूवमेंट को जिस तरह समझते हैं, वह अद्भुत है। हर सत्र में मैंने बहुत कुछ सीखा।' उन्होंने आगे कहा कि उन्हें सबसे ज्यादा गर्व उस दोस्ती पर है, जो उन्होंने अपने जीवनभर के आदर्श के साथ बनाई।

'जान सिर्फ सर्वकालिक महान भाला फेंक खिलाड़ी नहीं हैं, बल्कि एक बेहतरीन इंसान भी हैं।' वहीं 59 वर्षीय जान जेलेज्नी ने भी इस साझेदारी को सकारात्मक बताते हुए कहा कि नीरज जैसे एथलीट के साथ काम करना उनके लिए शानदार अनुभव रहा। उन्होंने कहा, 'मुझे खुशी है कि हम साथ काम कर पाए और मैंने उन्हें पहली बार 90 मीटर पार करने में मदद की।'

जेलेज्नी ने यह भी कहा कि विश्व चैंपियनशिप को छोड़ दें तो नीरज ने अधिकांश प्रतियोगिताओं में कम से कम दूसरा स्थान हासिल किया, जो अपने आप में एक बेहतरीन रिकॉर्ड है। हालांकि, टोक्यो से 12 दिन पहले लगी पीठ की चोट ने उनकी उम्मीदों को प्रभावित किया। आने वाले समय को लेकर जेलेज्नी ने नीरज की तारीफ करते हुए कहा कि उनमें अभी भी अपार संभावनाएं हैं और दोनों के बीच मानवीय स्तर पर रिश्ता बेहद सकारात्मक रहेगा। उन्होंने कहा कि वे भविष्य में ट्रेनिंग कैंप या पारिवारिक छुट्टियों के दौरान भारत या यूरोप में फिर मिल सकते हैं।

नीरज चोपड़ा ने आगे की योजना पर कहा कि अब वह अपनी कोचिंग को लेकर खुद दिशा तय करेंगे। 'मैं 2026 को लेकर उत्साहित हूं। नवंबर की शुरुआत से ही मैंने तैयारी शुरू कर दी थी। मेरा लक्ष्य हमेशा की तरह फिट रहना है और फिर से प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार रहना है।'

उन्होंने यह भी साफ किया कि उनका फोकस 2027 की विश्व चैंपियनशिप और उससे आगे 2028 ओलंपिक खेलों पर रहेगा। गौरतलब है कि पिछले साल दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर से अधिक का थ्रो करने के बाद नीरज विश्व चैंपियनशिप में आठवें स्थान पर रहे थे।

सीजन की शुरुआत में ही औंधे मुंह गिरे आलू के दाम, किसान बेहाल

मंडियों में भारी आवक से कीमतों पर दबाव

नई दिल्ली ।

सीजन की शुरुआत होते ही देशभर की मंडियों में आलू के दाम तेजी से गिर गए हैं। हालात ऐसे हो गए हैं कि कई स्थानों पर किसानों को अपनी लागत भी नहीं मिल पा रही है। कीमतों में भारी गिरावट से परेशान किसान मजबूरी में अपनी उपज सड़कों पर फेंकने को विवश हैं। थोक बाजार के साथ-साथ खुदरा बाजार में भी आलू सस्ता हो गया है। जानकारों के मुताबिक आलू के दाम गिरने की सबसे बड़ी वजह पिछले साल का भारी स्टॉक है, जो अब भी बड़ी मात्रा में कोल्ड स्टोरेज में भरा पड़ा है। इसके अलावा अनुकूल मौसम के चलते इस साल भी आलू की बंपर पैदावार की उम्मीद है। पुराना आलू खराब होने के डर से बाजार में उतारा जा रहा है, वहीं नए आलू की आवक भी लगातार बढ़ रही है। इससे मंडियों में सप्लाई मांग से कहीं अधिक हो गई है। उत्तर प्रदेश की प्रमुख मंडी आगरा में आलू के थोक भाव एक महीने में 900-1,250 रुपये प्रति क्विंटल से घटकर 500-650 रुपये रह गए हैं। पश्चिम बंगाल की कोलकाता मंडी में भाव 1,500-1,550 रुपये से गिरकर 1,100-1,200 रुपये प्रति क्विंटल हो गए हैं। इसी तरह मध्य प्रदेश की इंदौर मंडी और दिल्ली की मंडियों में भी भाव 300-900 रुपये प्रति क्विंटल तक लुढ़क गए हैं। मंडियों में कीमतें गिरने का असर खुदरा बाजार पर भी पड़ा है। पिछले महीने जहां आलू 20 से 25 रुपये प्रति किलो बिक रहा था, वहीं अब इसकी कीमत 13 से 20 रुपये प्रति किलो रह गई है। मंडियों में साधारण आलू 5-6 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है। कारोबारियों का कहना है कि इस महीने आलू के दाम दबाव में बने रह सकते हैं, लेकिन जैसे-जैसे आवक घटेगी, अगले महीने से कीमतों में कुछ सुधार की उम्मीद है।

होम लोन इंश्योरेंस में ऑनलाइन विकल्प से बढ़ सकती है सुरक्षा और बचत

- अपनी जरूरतों के अनुसार कर सकते हैं पॉलिसी का सही चुनाव

नई दिल्ली ।

भारत में होम लोन अब केवल एक अल्पकालिक वित्तीय जरूरत नहीं रह गया है, बल्कि यह एक लंबी अवधि की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बन चुका है। बढ़ती प्रॉपर्टी कीमतों के कारण लोन की राशि और अवधि दोनों बढ़ गई हैं, जिसके चलते होम लोन इंश्योरेंस की आवश्यकता भी पहले से कहीं ज्यादा महसूस हो रही है। इस इंश्योरेंस का मुख्य उद्देश्य उधारकर्ता की असमय मृत्यु या अन्य अप्रत्याशित स्थितियों में परिवार को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है। आजकल ऑनलाइन होम लोन इंश्योरेंस तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। डिजिटल माध्यम से ली जाने वाली पॉलिसियों में प्रीमियम कम होता है और ग्राहकों को शर्तों, कवरेज और लागत की स्पष्ट जानकारी मिलती है। इससे ग्राहक अपनी जरूरतों के अनुसार पॉलिसी का सही चुनाव कर सकते हैं। वहीं बैंक और अन्य लेंडर्स द्वारा ऑफलाइन पॉलिसी की पेशकश की जाती है, जो अक्सर उच्च प्रीमियम, कमीशन और प्रशासनिक खर्चों के साथ होती है। इसके अलावा, ऑफलाइन पॉलिसी में लचीलापन की कमी और क्लेम की राशि का सीधे बैंक को मिलना जैसे मुद्दे भी सामने आते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि होम लोन इंश्योरेंस का चुनाव करते समय केवल सुविधा और बैंक की पेशकश पर ध्यान न देकर, लागत, पारदर्शिता और लचीलापन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सही पॉलिसी परिवार की वित्तीय सुरक्षा को मजबूती देती है और खर्च कम करने में मदद करती है।

वर्ल्ड कार अवॉर्ड्स के छह प्रमुख कैटेगरी के टॉप फाइनलिस्ट तैयार, 1 अप्रैल को होगा ऐलान

न्यूयॉर्क।

2026 वर्ल्ड कार अवॉर्ड्स की शुरुआत के साथ ही ऑटोमोबाइल जगत में हलचल तेज हो गई है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता को इस बार बेम्बो के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है और शुरुआती चरण में छह प्रमुख कैटेगरी के टॉप फाइनलिस्ट सामने आ चुके हैं। इन नतीजों को वैश्विक प्रोफेशनल ऑडिट कंपनी केपीएमजी द्वारा प्रमाणित किया गया है, जिससे चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता और मजबूत हो जाती है। अब सबकी नजरें 1 अप्रैल 2026 पर टिकी हैं। इस अवॉर्ड के चयन की प्रक्रिया को दुनिया की सबसे निष्पक्ष प्रक्रियाओं में गिना जाता है। 33 देशों के 98 अनुभवी ऑटोमोटिव जर्नलिस्ट्स ने इसमें भाग लिया, जिन्होंने कारों को अपने नियमित प्रोफेशनल टेस्ट ड्राइव और रिव्यू अनुभव के आधार पर जांचा। भारत से योगेन्द्र प्रताप भी इस अंतरराष्ट्रीय जूरी का हिस्सा रहे। सभी जजों ने सीक्रेट बैलेट सिस्टम के जरिए वोटिंग की, जिससे किसी भी तरह के पक्षपात की गुंजाइश नहीं रही। बेम्बो के सीईओ ने इस साल चुनी गई कारों की जमकर तारीफ की है। उनके मुताबिक वर्ल्ड कार अवॉर्ड्स अब ऑटोमोटिव इंडस्ट्री में क्वालिटी, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन का वैश्विक मानक बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस साल की कारें न केवल बेहतर परफॉर्मेंस देती हैं, बल्कि भविष्य की मोबिलिटी की दिशा भी तय करती हैं। वर्ल्ड कार ऑफ द ईयर 2026 की मुख्य कैटेगरी में 58 कारों में से टॉप 10 को चुना गया है। इस सूची में ऑडी क्यू5, बीएमडब्ल्यू आईएक्स3, बीवॉयडी सेल 6 डीदएम-आई, हुंडई लोनिक ढ्ढश्वठ्ठद्बह्न 9, हुंडई पालिसेड, किया ईवी4, किया ईवी5, मर्सिटीज बैंज सीएलए, निशान लेफ और टोयोटा आरएवी4 जैसी कारें शामिल हैं। यह सूची इस बात का संकेत है कि इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड और पारंपरिक इंजन वाली कारें अब एक ही मंच पर बराबरी से मुकाबला कर रही हैं। इलेक्ट्रिक कार कैटेगरी में ऑडी ए6 ई-टॉर्न, बीएमडब्ल्यू आईएक्स3, हुंडई लोनिक9, मर्सिटीज-बैंज सीएलए और निशान लेफ ने अपनी जगह बनाई है, जो ईवी सेगमेंट की तेजी से बढ़ती ताकत को दर्शाता है। लग्जरी कार कैटेगरी में ऑडी ए6, काडिलिक्स विस्तिक, लुकिड ग्रेवेटी और वॉल्वो ईएस90 जैसे प्रीमियम मॉडल शामिल हैं, जबकि परफॉर्मेंस कैटेगरी में बीएमडब्ल्यू एम2 सीएस, कॉरवैटे ई-राय, डिवेंडर ओसटीए और मर्सिटीज-एएमजी जीटी 63 प्रो जैसी दमदार कारें मुकाबले में हैं।

आईआईएएस ने ग्रो की मूल कंपनी के प्रस्तावों का विरोध किया

सभी पांच प्रस्तावों के खिलाफ वोट की सिफारिश

नई दिल्ली ।

प्रॉक्सी सलाहकार फर्म इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर एडवाइजरी सर्विसेज (आईआईएएस) ने ग्रो की मूल कंपनी बिलियनब्रेन्स गैराज वेंचर्स लिमिटेड के सभी पांच प्रस्तावों के खिलाफ वोट करने की सिफारिश की है। फर्म ने कहा कि ये प्रस्ताव कॉरपोरेट गवर्नेंस और पारदर्शिता के मानकों के अनुरूप नहीं हैं। आईआईएएस ने कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना (ईएसओपी) 2024 के तहत 33.15 करोड़ शेयर ऑप्शंस जारी करने के प्रस्ताव का विरोध किया। फर्म ने कहा कि ऑप्शन के मूल्य निर्धारण में स्पष्टता नहीं है और यह नामांकन और पारिश्रमिक समिति द्वारा तय किया जाएगा। इसके अलावा, ऑप्शन की प्रयोग अवधि असामान्य रूप से लंबी है, वेस्टिंग के बाद 20 साल तक और लिस्टिंग के बाद 10 साल तक। कंपनी ने आर्टिकल आफ एसोसिएशन में संशोधन कर संस्थापकों को बोर्ड में निदेशक नामित करने का अधिकार देने का प्रस्ताव रखा। आईआइएएस ने बिना न्यूनतम शेयरधारिता सीमा के ऐसे अधिकारों का विरोध किया, जबकि पीक एक्सवी पार्टनर को हिस्सेदारी की शर्त पर यह अधिकार देने का समर्थन किया।

टोयोटा की कारों की कीमतों में बढ़ोतरी, भारतीय ग्राहकों पर पड़ेगा असर

फॉर्च्यूनर के वेरिएंट की कीमतें 51,000 से लेकर 74,000 तक बढ़ी

मुंबई ।

भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में हाल ही में टोयोटा ने अपनी प्रमुख कारों- फॉर्च्यूनर और इनोवा की कीमतों में वृद्धि की है। फॉर्च्यूनर के वेरिएंट की कीमतों में 51,000 रुपये से लेकर 74,000 रुपये तक का इज़ाफ़ा देखा गया है। बेस 4 गु णित 2 एमटी पेट्रोल वेरिएंट अब 34.16 लाख रुपये में उपलब्ध है, जबकि पहले यह 33.65 लाख रुपये थी। 4 गु णित 4 लाइनअप की कीमत 38.68 लाख रुपये से शुरू होती है, जो पहले 38.11 लाख रुपये थी। 4 गु णित 2 एटी लीजेंडर वेरिएंट में 63,000 रुपये की बढ़ोतरी हुई है और अब यह 42.17 लाख रुपये में उपलब्ध है। फॉर्च्यूनर नियो ड्राइव 4 गु णित 4 एटी वेरिएंट की कीमत 42.37 लाख रुपये हो गई है, वहीं 4 गु णित 4 एमटी लीजेंडर अब 44.30 लाख रुपये में उपलब्ध है। टॉप-स्पेक जीआरएस वेरिएंट अब 49.59 लाख रुपये का हो गया है। टोयोटा ने इस लाइनअप में कुछ सीमित संस्करण जैसे लीडर वेरिएंट को भी बंद कर दिया है। टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस के बेस जीएक्स 7 सीटर और 8 सीटर वेरिएंट को बंद कर दिया गया है। नया बेस जीएक्स 7 सीटर अब 19.15 लाख रुपये में उपलब्ध है, जो पहले 18.86 लाख रुपये था। स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वीएक्स वेरिएंट की कीमत में 40,000 रुपये की वृद्धि हुई है। टॉप वेरिएंट जीएक्स 7 सीटर अब 46,000 रुपये महंगा हो गया है, जबकि जेड एक्स (ओ) एलई 7 सीटर की कीमत 32.38 लाख रुपये तक बढ़ गई है।

ऑटोमोबाइल विशेषज्ञों के अनुसार, उत्पादन लागत में वृद्धि और बढ़ती मांग के कारण यह कीमतों का सामान्य रुझान है।

आरबीआई का अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड निवेश घटकर 190 अरब डॉलर हुआ

चीन, ब्राजील, सऊदी अरब और हांगकांग ने भी अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड में हिस्सेदारी घटाई

नई दिल्ली । अक्टूबर 2025 तक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड में निवेश लगभग 190 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले साल के मुकाबले 50.7 अरब डॉलर कम है। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी और अन्य विकसित देशों में बढ़ते वित्तीय दबावों के कारण बॉन्ड यील्ड में वृद्धि हुई है, जिससे ट्रेजरी बॉन्ड में वैल्यूएशन लॉस का जोखिम बढ़ गया। इसी अवधि में आरबीआई ने अपने सोने के भंडार में बढ़ोतरी की है। अक्टूबर 2025 तक केंद्रीय बैंक के पास 880.18 मीट्रिक टन सोना था, जो पिछले साल 866.8 टन था। विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी बढ़कर 13.6 फीसदी हो गई, जबकि पिछली बार यह 9.3 फीसदी थी। भारत ही नहीं, चीन, ब्राजील, सऊदी अरब और हांगकांग ने भी अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड में अपनी हिस्सेदारी घटाई है। विशेषज्ञों के अनुसार, रूस-यूक्रेन युद्ध और वैश्विक अनिश्चितताओं के बाद केंद्रीय बैंक डॉलर पर निर्भरता कम कर सुरक्षित एसेट जैसे सोने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

आरबीआई के यूडीजीएएम पोर्टल से घर बैठे चेक करें अनक्लेम्ड बैंक डिपॉजिट

नई दिल्ली ।

अक्सर लोग सोचते हैं कि सालों तक इस्तेमाल न होने पर बैंक खाते का पैसा खत्म हो जाता है। लेकिन वास्तविकता में जमा राशि सुरक्षित रहती है और उसे अनक्लेम्ड डिपॉजिट में दर्ज किया जाता है। ऐसे पैसे को खाताधारक या उनके वारिस कभी भी क्लेम कर सकते हैं। आरबीआई ने इस समस्या को आसान बनाने के लिए अनक्लेम्ड` डिपो जिट गेटवे टू एसेस इंफारमेशन (यूडीजीएएम) पोर्टल लॉन्च किया है। अब अलग-अलग बैंकों की शाखाओं में जाने की बजाय घर बैठे यह पता लगाया जा सकता है कि आपके या परिवार के नाम पर कोई राशि अनक्लेम्ड है या नहीं। पोर्टल पर नाम, जन्मतिथि जैसी जानकारी भरें। पुराने रिकॉर्ड में नाम अलग तरीके से दर्ज हो सकता है, इसलिए अलग-अलग स्पेलिंग से सर्च करना बेहतर होता है। अगर पोर्टल पर एंट्री मिलती है, तो बैंक से संपर्क करें। खाताधारक आसानी से क्लेम कर सकता है। कानूनी वारिस के लिए मृत्यु प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेजों की जरूरत होती है। 10 साल बाद भी पैसा आरबीआई के डीईएएफ में ट्रांसफर होने के बाद क्लेम किया जा सकता है।

आरबीआई डिप्टी गवर्नर ने बैंकिंग में पारदर्शिता और विश्वास पर जोर दिया

मुंबई ।

डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर ने कहा कि बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं की कीमत और शर्तें ग्राहकों के लिए स्पष्ट और पारदर्शी होनी चाहिए। उन्होंने चेताया कि अगर मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता नहीं होगी, तो ग्राहक अन्य विकल्पों की ओर रुख कर सकते हैं। शंकर ने बैंकिंग उद्योग से आग्रह किया कि वह ऐसा वातावरण तैयार करे जहां कोई धोखाधड़ी न हो ताकि ग्राहकों का भरोसा बना रहे। उन्होंने कहा कि ग्राहकों का भरोसा ही उन्हें बैंकिंग प्रणाली के प्रति वफादार बनाए रखने की कुंजी है। प्रभावी मूल्य निर्धारण और पारदर्शिता से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि ग्राहक जो मूल्य चुका रहे हैं, वह उचित और सही है। भारतीय बैंकिंग प्रणाली मजबूत है, लेकिन ग्राहकों का विश्वास बढ़ाने के लिए कुछ मूलभूत सिद्धांतों को और मजबूत करने की आवश्यकता है।

केंद्र सरकार ग्रोक पर कानूनी कार्रवाई पर कर रही विचार

सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय कर रहा समीक्षा

नई दिल्ली

। केंद्र सरकार ईलॉन मस्क के स्वामित्व वाले एआई चैटबॉट ग्रोक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने पर विचार कर रही है। यह कदम ग्रोक द्वारा महिलाओं और बच्चों की आपत्तिजनक तस्वीरें बनाने के मामलों के कारण उठाया जा सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ग्रोक अन्य सोशल मीडिया अकाउंट की तरह सामग्री तैयार करता है, और अगर यह गैरकानूनी है तो इसके खिलाफ भी वही कार्रवाई होनी चाहिए। हालांकि ग्रोक का तस्वीर बनाने का फीचर अब केवल भुगतान करने वाले प्रीमियम उपयोगकर्ताओं तक सीमित है,

सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधिकारी कहते हैं कि जब तक एक्स (पूर्व में ट्विटर) इसे भारत की आधिकारिक नीति के रूप में नहीं अपनाता, तब तक कार्रवाई की संभावना बनी रहती है। मंत्रालय ने एक्स को नोटिस भेजकर पूछा था कि ग्रोक ने महिलाओं और बच्चों की आपत्तिजनक सामग्री बनाने की अनुमति कैसे दी। इस नोटिस के जवाब में एक्स ने जो विवरण भेजा, वह अधिकारियों को संतोषजनक नहीं लगा।

उन्होंने कहा कि इसमें उन कदमों का उल्लेख नहीं था जो प्लेटफॉर्म ने आपत्तिजनक सामग्री बनाने वाले उपयोगकर्ताओं के खिलाफ उठाए। सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक्स को पत्र लिखा कि समयसीमा के भीतर गैरकानूनी सामग्री को तुरंत हटाया जाए और साक्ष्यों को प्रभावित न किया जाए। इसके एक दिन बाद ईलॉन मस्क ने चेतावनी दी कि ग्रोक का उपयोग करके गैरकानूनी सामग्री बनाने वालों को उसी तरह के परिणाम भुगतने होंगे जैसे अवैध सामग्री अपलोड करने वालों को भुगतने पड़ते हैं।

भारतीय शेयर बाजार में तीन महीने की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट

विदेशी निधियों की लगातार निकासी ने भी बाजार की कमजोरी को और गहरा किया

मुंबई ।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने तीन महीने में अपनी सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की, जिससे निवेशकों के बीच भारी निराशा और अनिश्चितता देखने को मिली। अमेरिकी टैरिफ बढ़ाने की संभावित चेतावनी, घरेलू और वैश्विक आर्थिक दबाव, तथा प्रमुख ब्लू-चिप शेयरों में बिकवाली ने बाजार पर लगातार दबाव बनाए रखा। विदेशी निधियों की लगातार निकासी ने भी बाजार की कमजोरी को और गहरा किया। इस दबाव के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में क्रमशः 1.84 फीसदी और 1.71 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को लाल निशान के साथ हुई, जब बीएसई सेंसेक्स 125.96 अंक गिरकर 85,636.05 पर खुला और अंततः 322.39 अंक की गिरावट के साथ 85,439.62 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी 30.95 अंक गिरकर 26,297.60 पर खुला और सप्ताह की शुरुआत में 84.50 अंक की गिरावट के साथ 26,250.30 पर बंद हुआ। मंगलवार को बाजार में गिरावट और तेज़ हो गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसे प्रमुख शेयरों में बिकवाली के चलते सेंसेक्स 431.95 अंक गिरकर 85,007.67 पर खुला और 376.28 अंक की गिरावट के साथ 85,063.34 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 105.6 अंक की गिरावट के साथ 26,144.70 पर खुला और अंततः 71.60 अंक घटकर 26,178.70 पर बंद हुआ। बुधवार और गुरुवार को भी गिरावट का क्रम जारी रहा। गुरुवार को सेंसेक्स 780.18 अंक की गिरावट के साथ 84,180.96 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 263.90 अंक गिरकर 25,876.85 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सप्ताह का समापन भी लाल निशान के साथ हुआ, सेंसेक्स 604.72 अंक गिरकर 83,576.24 पर और निफ्टी 193.55 अंक गिरकर 25,683.30 पर बंद हुआ। बाजार के जानकारों का कहना है ` कि सप्ताह भर का प्रदर्शन यह संकेत देता है कि विदेशी निवेशकों की निकासी, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं और अमेरिका के संभावित टैरिफ वृद्धि की आशंका ने बाजार को दबाव में रखा।

भारत आत्मनिर्भर बनने की राह पर- शक्तिकांत दास

सरकार की नीतियां और सुधार भारत को मजबूत बनाने में कर रही हैं मदद

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के वरिष्ठ अधिकारी और पूर्व भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि भारत आज ऐतिहासिक यात्रा की दहलीज पर खड़ा है। उन्होंने पहला विवेक देवराय स्मृति व्याख्यान देते हुए वैश्वीकरण के पिछले दशकों में गति देने वाली आम सहमति के कमजोर पड़ने और बहुपक्षीय सहयोग में कठिनाइयों का जिक्र किया। दास ने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था का मतलब अलग-थलग पड़ना नहीं है। यह आर्थिक लचीलापन और क्षमता विकसित करने की रणनीति है। इसका लक्ष्य महत्वपूर्ण वस्तुओं और प्रौद्योगिकियों के घरेलू उत्पादन की क्षमता बढ़ाना और विदेशी स्त्रोतों पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियां और सुधार भारत को मजबूत, लचीला और प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद कर रही हैं। दास के अनुसार यह दृष्टिकोण न केवल मौजूदा वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में सहायक है, बल्कि भारत को वैश्विक मंच पर आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने की दिशा में भी निर्णायक है।

केंद्र सरकार ग्रोक पर कानूनी कार्रवाई पर कर रही विचार

सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय कर रहा समीक्षा

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ईलॉन मस्क के स्वामित्व वाले एआई चैटबॉट ग्रोक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने पर विचार कर रही है। यह कदम ग्रोक द्वारा महिलाओं और बच्चों की आपत्तिजनक तस्वीरें बनाने के मामलों के कारण उठाया जा सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ग्रोक अन्य सोशल मीडिया अकाउंट की तरह सामग्री तैयार करता है, और अगर यह गैरकानूनी है तो इसके खिलाफ भी वही कार्रवाई होनी चाहिए। हालांकि ग्रोक का तस्वीर बनाने का फीचर अब केवल भुगतान करने वाले प्रीमियम उपयोगकर्ताओं तक सीमित है, सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधिकारी कहते हैं कि जब तक एक्स (पूर्व में ट्विटर) इसे भारत की आधिकारिक नीति के रूप में नहीं अपनाता, तब तक कार्रवाई की संभावना बनी रहती है। मंत्रालय ने एक्स को नोटिस भेजकर पूछा था कि ग्रोक ने महिलाओं और बच्चों की आपत्तिजनक सामग्री बनाने की अनुमति कैसे दी। इस नोटिस के जवाब में एक्स ने जो विवरण भेजा, वह अधिकारियों को संतोषजनक नहीं लगा। उन्होंने कहा कि इसमें उन कदमों का उल्लेख नहीं था जो प्लेटफॉर्म ने आपत्तिजनक सामग्री बनाने वाले उपयोगकर्ताओं के खिलाफ उठाए। सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक्स को पत्र लिखा कि समयसीमा के भीतर गैरकानूनी सामग्री को तुरंत हटाया जाए और साक्ष्यों को प्रभावित न किया जाए। इसके एक दिन बाद ईलॉन मस्क ने चेतावनी दी कि ग्रोक का उपयोग करके गैरकानूनी सामग्री बनाने वालों को उसी तरह के परिणाम भुगतने होंगे जैसे अवैध सामग्री अपलोड करने वालों को भुगतने पड़ते हैं।

दार्जिलिंग चाय का उत्पादन 2025 में घटने की संभावना

नई दिल्ली ।

दार्जिलिंग की मशहूर चाय का उत्पादन 2025 में घट सकता है। चाय बोर्ड की वेबसाइट के अनुसार, जनवरी से नवंबर तक उत्पादन 51.9 लाख किलोग्राम रहा, जबकि 2024 में इसी अवधि में 56.9 लाख किलोग्राम था। 2024 का कुल उत्पादन 57.1 लाख किलोग्राम था। मौसम के बदलते मिजाज, श्रमिकों की कमी और आर्थिक दबाव मुख्य कारण हैं। चाय बोर्ड के उपाध्यक्ष सी. मुरुगन ने कहा कि उत्पादन पर नजर रखी जा रही है और अगले महीने तक अंतिम आंकड़े मिल जाएंगे। दार्जिलिंग का उत्पादन 1990 में 1.44 करोड़ किलोग्राम था, लेकिन लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। 2017 में गोरखालैंड आंदोलन के कारण 104 दिन उद्योग बंद रहने से उत्पादन केवल 32 लाख किलोग्राम रह गया था। लगभग 80-90 फीसदी बागान 70 साल से अधिक पुराने हैं। कई बागानों ने जैविक उत्पादन अपनाया, जिससे उत्पादन में कमी आई है। विशेषज्ञों का कहना है कि दार्जिलिंग चाय की गिरावट कोई नई बात नहीं है, और यह लंबे समय से जारी है।

मैं अपनी तरह से काम करना चाहता हूं

बॉलीवुड अभिनेता इमरान खान इन दिनों अपने कमबैक को लेकर चर्चाओं में हैं। लगभग दस साल से भी ज्यादा के समय के बाद इमरान खान बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं। वो वीर दास के निर्देशन में बन रही फिल्म 'हैप्पी पटेल' में एक अलग अंदाज में नजर आएंगे। इसके अलावा इमरान खान फिल्म अधूरे हम अधूरे तुम से बतौर लीड एक्टर ओटीटी पर भी कमबैक करने जा रहे हैं। अब अपने कमबैक से पहले एक्टर ने पीआर को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि उन्होंने चर्चाओं में आने और प्रचार के लिए पीआर के चक्कर में न पड़ने का फैसला लिया है।

खुद अपना काम ढूंढना चाहते हैं इमरान

बातचीत में इमरान खान ने माना की वो जिंदगी को अपनी शर्तों पर जीना चाहते हैं। वो पीआर और प्रचार व चर्चाओं की बजाय क्रिएटिविटी पर ज्यादा ध्यान देना चाहते हैं। पीआर को ज्यादा तवज्जो न देने पर एक्टर ने कहा कि मैंने एक ऐसे दौर में काम किया है जब मेरे पास एक पीआर और एक मैनेजर था। इसका अनुभव करने और इससे होने वाले बुरे प्रभावों को जानने के बाद, अब मुझे ये सब नहीं चाहिए। मुझे ऐसा मैनेजर नहीं चाहिए जो मेरे लिए काम ढूंढे। मैनेजर की तनख्वाह इस बात पर निर्भर करती है कि मैं लगातार काम करता रहूं और इसी वजह से वह मुझे वो काम करने के लिए मजबूर कर सकता है जो मैं नहीं करना चाहता। मैं नहीं चाहता कि वे मेरे लिए काम ढूंढें, मैं खुद अपना काम ढूंढना चाहता हूं।

नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी 'अधूरे हम अधूरे तुम'

फिल्म अधूरे हम अधूरे तुम से इमरान खान लंबे समय बाद लीड एक्टर के तौर पर वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ भूमि पेडनेकर और गुरफतेह पीरजादा प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगी। यह एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है, जिसमें रोजमर्रा की जिंदगी और जीवन से जुड़ी उलझनों को दिखाया गया है। यह फिल्म इस साल नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसके अलावा इमरान खान वीर दास स्टारर और उनके ही निर्देशन में बन रही फिल्म 'हैप्पी पटेल' में भी नजर आएंगे। इसमें इमरान एक अलग तरह के किरदार में दिखाई देंगे।

फिल्मों में जबरदस्त वापसी की तैयारी में कंगना रनौत

शुरू की शूटिंग

बॉलीवुड अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत फिल्मों में जबरदस्त वापसी करने के लिए तैयार हैं। लंबे समय से राजनीतिक जिम्मेदारियों और फिल्मों के बीच संतुलन बनाती नजर आ रहीं कंगना ने अपनी अगली फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की शूटिंग शुरू कर दी है। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की पुष्टि की और फिल्म के सेट से कुछ झलकियां भी साझा कीं, जिसे देखकर उनके प्रशंसकों में उत्साह साफ नजर आया। कंगना ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी प्रोडक्शन कंपनी की ओर से शेयर किए गए एक वीडियो को रीपोस्ट किया। इस वीडियो में वह फिल्म के सेट पर पहुंचती दिखती हैं और निर्देशक मनोज तापड़िया के साथ गंभीर चर्चा में नजर आती हैं। हाथ में स्क्रिप्ट, चेहरे पर फोकस और काम के प्रति वही पुराना जुनून- ये सबकुछ देखकर साफ नजर आ रहा है कि कंगना एक बार फिर पूरी तैयारी के साथ फिल्मी दुनिया में सक्रिय हो चुकी हैं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा कि शूटिंग सेट पर वापस आकर अच्छा लग रहा है।

2024 में हुई थी 'भारत भाग्य विधाता' की घोषणा

फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन जब इस प्रोजेक्ट की घोषणा 2024 में हुई थी, तब यह बताया गया था कि फिल्म आम लोगों की असाधारण कहानियों पर आधारित होगी। कंगना इसमें केंद्रीय भूमिका निभा रही हैं और फिल्म का मकसद उन किरदारों को सामने लाना है, जो रोजमर्रा की जिंदगी में बदलाव की मिसाल बनते हैं।

पिछली बार इमरजेंसी में नजर आई थीं कंगना

कंगना की पिछली फिल्म 'इमरजेंसी' काफी चर्चा में रही थी। इस राजनीतिक ड्रामा में उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई थी और फिल्म का निर्देशन भी खुद किया था। हालांकि विषय दमदार होने के बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई। इसके बावजूद कंगना अपने बेबाक अंदाज और जोखिम लेने की प्रवृत्ति के लिए जानी जाती हैं।

हॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहीं कंगना

इसी बीच कंगना के करियर से जुड़ी एक और बड़ी खबर सामने आई है। वह जल्द ही हॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनने वाली हॉरर ड्रामा फिल्म 'ब्लेस्ड बी द ईविल' में वह अहम भूमिका निभाएंगी। इस फिल्म में उनके साथ हॉलीवुड अभिनेता टायलर पोसी और स्कारलेट रोज स्टैलोन भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन अनुराग रुद्र कर रहे हैं और इसकी कहानी एक ऐसे दंपती के इर्द-गिर्द घूमती है, जो निजी त्रासदी के बाद एक रहस्यमयी फार्महाउस में नई जिंदगी शुरू करने की कोशिश करते हैं।

मेरा कोई गॉडफादर नहीं था

इस फिल्म को करना अपनी गलती मानती हैं नीना गुप्ता

66 साल की उम्र में नीना गुप्ता बॉलीवुड की सबसे व्यस्त रहने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। लीड रोल से लेकर हीरो-हीरोइन की मां बनने तक नीना गुप्ता हर तरह के किरदार कर रही हैं और प्रशंसा भी बटोर रही हैं। हालांकि, इतनी सफलता नीना को उनके करियर के शुरुआती दौर में नहीं मिली। इसको लेकर नीना को कहीं न कहीं अफसोस भी है। 23 साल की उम्र में डेब्यू करने वाली नीना गुप्ता खुद के सफल अभिनेत्री न बन पाने के लिए अपनी फिल्म 'साथ साथ' को दोषी मानती हैं। हाल ही में बातचीत के दौरान नीना गुप्ता ने अपने करियर में इतनी देर से मिली सफलता को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि मैं अक्सर सोचती रहती हूं कि मैंने ऐसा क्या गलत किया कि मुझे मेरा हक इतनी देर से मिला? मुझे लगता है कि ज्यादातर इसमें मेरी ही गलती है। लेकिन अब बीते कल के बारे में सोचने का कोई फायदा नहीं। मुझे आगे बढ़ना है। इस उम्र में मुझे सब कुछ नहीं मिल सकता, न ही मैं कम उम्र के किरदार निभा सकती हूं। अभी जो कुछ भी मुझे मिल रहा है, वह काफी अच्छा है। मैं इस बारे में ज्यादा नहीं सोचती कि मुझे ये मौके कम उम्र में क्यों नहीं मिले, जब मैं और भी बहुत कुछ कर सकती थी।

मैं इंडस्ट्री को नहीं समझ पाई

अपने करियर के फैसलों की जिम्मेदारी लेते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि यह मेरी गलती थी क्योंकि मुझमें हमेशा धैर्य नहीं था। मैं गलत चीजों की तलाश में भटकती रही। ज्यादातर समय मेरा आत्मविश्वास कम रहा, और मुझे लगता है कि इन्हीं कारणों से मेरी तरक्की रुकी। मुझे मार्गदर्शन देने वाला भी कोई नहीं था, न कोई गॉडमदर, न कोई गॉडफादर।

'साथ साथ' करना मेरी गलती है

नीना गुप्ता का मानना है कि उनकी सबसे बड़ी गलती 1982 में आई फारुख शेख और दीप्ति नवल की फिल्म 'साथ साथ' करना था। इस फिल्म में नीना गुप्ता सपोर्टिंग रोल में थीं। उन्होंने फारुख शेख की लव इंटरेस्ट नीना का किरदार निभाया था। उन्होंने कहा कि 'साथ साथ' ने मुझसे लीड एक्ट्रेस के तौर पर पहचान बनाने का मौका छीन लिया। यह मेरी गलती है। मैंने महसूस किया है कि जब आप अपनी गलती मान लेते हैं, तो कड़वाहट कम हो जाती है। वर्ना आप दुनिया को दोष देते रहते हैं और यह कभी खत्म नहीं होता। अपनी गलतियों को स्वीकार करके आगे बढ़ना ही बेहतर है।

क्या खोसला का घोसला 2 में बोमन को रिप्लेस करेंगे रवि किशन? अभिनेता ने तोड़ी चुप्पी

साल 2006 में आई फिल्म खोसला का घोसला का अगला पार्ट आने वाला है। सीक्वल की शूटिंग शुरू हो चुकी है। फिलहाल राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इसे फिल्माया जा रहा है। इस बीच ऐसी अफवाहें शुरू हो गई हैं कि खोसला का घोसला 2 में बोमन ईरानी नजर नहीं आएंगे। रवि किशन ने उन्हें रिप्लेस कर दिया है। ऐसी अफवाहों पर खुद रवि किशन ने चुप्पी तोड़ी है।

क्या रवि किशन ने बोमन ईरानी को रिप्लेस किया है?

खोसला का घोसला में बोमन ईरानी ने खुराना का अहम किरदार निभाया था। अब फिल्म खोसला का घोसला 2 की शूटिंग के पहले दिन वे नजर नहीं आए। ऐसे में फैंस को चिंता होने लगी कि क्या वे सीक्वल का हिस्सा नहीं हैं। दूसरी तरफ रवि किशन फिल्म से जुड़े हैं। इसके बाद ऐसी अफवाहें शुरू हुईं कि बोमन को रवि किशन ने रिप्लेस कर दिया है। मगर, यह सच्चाई नहीं हैं। बोमन ईरानी भी फिल्म का हिस्सा हैं।

रवि किशन ने जताई किरदार पर खुशी

सीक्वल में बोमन ईरानी भी अपना किरदार अदा करते दिखेंगे। वे 8 जनवरी को शूटिंग जॉइन करेंगे। एक्टर-पॉलिटिशियन रवि किशन दिल्ली में खोसला का घोसला 2 की शूटिंग शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हाल ही में उन्होंने इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने पर खुशी भी जताई। साथ ही बोमन ईरानी को रिप्लेस करने की अफवाहों पर भी चुप्पी तोड़ी। हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते हुए रवि किशन ने इस प्रोजेक्ट से जुड़ने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, मैं इस कास्ट में शामिल होकर बहुत उत्साहित हूं। मैं दिल्ली शेड्यूल का हिस्सा बनूंगा।

दर्शक बिल्कुल नए अवतार में देखेंगे

अपने किरदार को लेकर चल रही अटकलों पर बात करते हुए रवि किशन ने कास्ट में अपनी स्थिति साफ की। उन्होंने कहा, सभी लोग हैं। मैं उन्हें रिप्लेस नहीं कर रहा हूं। मेरा किरदार नया है। स्क्रिप्ट बहुत अच्छी है। मेरे सभी फैंस मुझे एक बिल्कुल अलग अवतार में देखेंगे। रवि किशन की इस प्रतिक्रिया के बाद यह स्पष्ट हो चुका है कि बोमन ईरानी फिल्म का हिस्सा बने रहेंगे। वहीं रवि किशन फिल्म में एक नए किरदार के रूप में जुड़ेंगे।

यश की फिल्म टॉक्सिक - ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स में 'मेलिसा' के रूप में रुक्मिणी वसंत

यश की टॉक्सिक - ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स हर नए खुलासे के साथ और भी गहरी, डार्क और बेबाक होती जा रही है। यह फिल्म अब एक ऐसी सिनेमाई दुनिया गढ़ रही है, जो हर मोड़ पर चौंकाती है। इसी रोमांचक सफर में मेकर्स ने एक बड़ा पत्ता खोला है—रुक्मिणी वसंत की एंट्री, जो 'मेलिसा' के किरदार में नजर आएंगी। शालीन, प्रभावशाली और बिल्कुल न झुकने वाली मेलिसा के रूप में रुक्मिणी की मौजूदगी फिल्म के इंटेंस ड्रामा को एक नया आयाम देती है। यह फिल्म रुक्मिणी वसंत और यश के बीच पहली दमदार साझेदारी को भी चिन्हित करती है, वो भी निर्देशक गीतू मोहनदास की खास सिनेमाई दृष्टि के साथ। अपनी समझदार परफॉर्मेंस और भावनात्मक गहराई के लिए जानी जाने वाली रुक्मिणी की एंट्री इस बात का संकेत है कि दर्शकों को एक ऐसी अदाकारी देखने को मिलेगी, जो गीतू की परतदार और माहौल रचने वाली कहानी कहने की शैली में पूरी तरह घुली-मिली होगी। वहीं यश का सपना भी साफ झलकता है—एक ऐसी भारतीय फिल्म बनाना, जो स्केल में ग्लोबल हो और भावनाओं में हर किसी से जुड़ जाए। नादिया के रूप में कियारा आडवाणी, एलिज़ाबेथ के रूप में हुमा कुरैशी, गंगा के रूप में नयनतारा और रेबेका के रूप में तारा सुतारिया के दमदार फर्स्ट लुक्स के बाद, अब टॉक्सिक की रहस्यमयी दुनिया में मेलिसा की एंट्री होती है। 1960 के दशक के आखिरी दौर की एक रंगीन लेकिन धुंधली पार्टी की पृष्ठभूमि में मेलिसा खुद को पूरे आत्मविश्वास के साथ पेश करती हैं। चारों ओर जश्न, शोर और हलचल है, लेकिन उनकी नजरें एकदम सटीक और दृढ़ हैं। जहां बाकी दुनिया बहती हुई सी लगती है, वहीं मेलिसा हर कदम सोच-समझकर रखती हैं, ऐसे अंदाज़ में कि पूरी महफिल पर उनका ही असर छा जाता है। हर नए खुलासे के साथ फिल्म और भी धारदार होती जा रही है। इसका भावनात्मक दायरा फैल रहा है, सिनेमाई पैमाना और बड़ा हो रहा है और टॉक्सिक खुद को 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित भारतीय फिल्मों में मजबूती से स्थापित कर रही है। निर्देशक गीतू मोहनदास कहती हैं, रुक्मिणी में मुझे सबसे ज्यादा जो चीज़ पसंद है, वो है एक कलाकार के तौर पर उनकी बुद्धिमत्ता। वो सिर्फ अभिनय नहीं करतीं, वो किरदार को समझती हैं, उसे प्रोसेस करती हैं। उनके सवाल शक से नहीं, जिज्ञासा से आते हैं और यही बात मुझे भी एक निर्देशक के तौर पर और गहराई से सोचने पर मजबूर करती है। कई बार तो अपने ही फैसलों पर दोबारा विचार करने लगती हूं। उन्हें काम करते देख मुझे एहसास होता है कि स्क्रीन पर इंटेलिजेंस अक्सर वहां होती है, जो कहा नहीं जाता। शूट के बीच-बीच में मैं उन्हें चुपचाप अपनी डायरी में कुछ लिखते देखती हूं—सेट से जुड़े छोटे किस्से, अपने विचार। ये छोटे पल उनके प्रोसेस के बारे में बहुत कुछ कह जाते हैं। वो लगातार अपनी एक अंदरूनी दुनिया बना रही होती हैं। उनका यह अप्रोच मुझे बेहद सोच-समझ से भरा लगता है और सच कहूं तो कई बार मन करता है कि उनकी डायरी के पन्ने चुपके से पढ़ लूं, ताकि उस दिमाग को समझ सकूं, जो इतनी परतदार परफॉर्मेंस के पीछे है।

यश और गीतू मोहनदास द्वारा लिखी गई और गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी टॉक्सिक- ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स को कन्नड़ और अंग्रेज़ी में एक साथ फिल्माया गया है। इसके साथ ही हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम और कई अन्य भाषाओं में डब वर्ज़न की योजना है, जो इसके ग्लोबल विज़न को साफ दर्शाता है। फिल्म की तकनीकी टीम भी उतनी ही दमदार है—नेशनल अवॉर्ड विजेता राजीव रवि सिनेमैटोग्राफी संभाल रहे हैं, संगीत में रवि बस्रूर का जादू होगा, एडिटिंग की कमान उज्ज्वल कुलकर्णी के हाथ में है और प्रोडक्शन डिजाइन टीपी आबिद ने किया है।

झहाई-ऑक्टेन एक्शन को हॉलीवुड के मशहूर एक्शन डायरेक्टर जेजे पेरी, जिन्हें जॉन विक के लिए जाना जाता है, के साथ नेशनल अवॉर्ड विजेता जोड़ी अंबरिव और केचा खाम्फाकडी ने कोरियोग्राफ किया है। वेनकट के. नारायण और यश द्वारा केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी टॉक्सिक की भव्य थिएट्रिकल रिलीज़ 19 मार्च 2026 को तय है। यह लंबा फेस्टिव वीकेंड होगा, जब ईद, उगादी और गुड़ी पड़वा एक साथ आएंगे—और टॉक्सिक बड़े पर्दे पर जश्न को और भी बड़ा बनाने के लिए पूरी तरह तैयार होगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in